कोटद्वार, रविवार
23 जून 2024
वर्षः 46
अंकः 61 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

अमोड़ी के पास पिकअप खाई में गिरी, चालक की मौत

चम्पावत। राष्ट्रीय राजमार्ग में अमोड़ी के पास शनिवार सुबह एक पिकअप वाहन गहरी खाई में गिर गया। हादसे में चालक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि वाहन में सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। घायल को टनकपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। चालक को झपकी आने से हादसा होने का अनुमान है। वाहन नानकमत्ता से लोहाघाट जा रहा था। जिला आपदा नियंत्रण कक्ष के मुताबिक शनिवार सुबह साढ़े छह बजे पिकअप वाहन यूके 06 सीडी 9253 एनएच में भनारखोला पुल, डोला, अमोड़ी के पास गहरी खाई में गिर गया। हादसे में वाहन चालक 24 वर्षीय दानिश पुत्र नबीश निवासी न्यूरिया, पीलीभीत की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि वाहन में सवार 28 वर्षीय वसीम पुत्र मो.सलीम न्यूरिया पीलीभीत घायल हो गया। ग्रामीणों ने घायल को खाई से बाहर निकाला। घायल का अमोड़ी के एक निजी क्लीनिक में प्राथमिक उपचार किया गया। बाद में उसे 108 वाहन से टनकपुर अस्पताल भेज दिया गया। बताया जाता है कि वाहन नानकमत्ता से लोहाघाट आ रहा था। कोतवाल योगेश उपाध्याय ने बताया कि प्रथम दृष्टया चालक को झपकी आने से दुर्घटना होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

चेकिंग के दौरान लाखों का कैश बरामद

रुड़की। विधानसभा उपचुनाव में काले धन की रोकथाम के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न स्थानों पर पिकेट स्थापित की गई है। जिसमें निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के साथ पुलिस अधिकारी भी संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। शनिवार को दो स्थानों पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने करीब चार लाख रुपये की रकम बरामद की है।राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा उपचुनाव के दौरान काले धन पर अंकुश लगाने के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इसके लिए विभिन्न स्थानों पर निर्वाचन आयोग द्वारा पिकेट स्थापित की गई है। जहां पर राज्य निर्वाचन आयोग के अधिकारियों के साथ पुलिस अधिकारियों को भी तैनात किया गया है। शुक्रवार की शाम मोहम्मदपुर पावर हाउस स्थित चेक पोस्ट पर एक कार को रोक कर जांच की गई। जिससे तीन लाख रुपये नकद बरामद किए गए। कार चालक कुलदीप निवासी ग्राम दोघट जनपद बागपत उत्तर प्रदेश द्वारा बरामद रकम के संबंध में टीम को संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा सका। जिसके चलते पुलिस ने तीन लाख रुपये की रकम को अपने पास जमा कर लिया है। वहीं शनिवार को गंग नहर पुल पर स्थापित की गई निर्वाचन आयोग की पिकेट द्वारा एक कार की तलाशी ली गई। कार से 98500 की नकदी बरामद की गई। इस संबंध में कार चालक जाकिर निवासी ग्राम खेड़ी कलां जनपद मेरठ उत्तर प्रदेश द्वारा टीम को संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा सका, जिसके चलते उसे रकम को भी टीम ने अपने पास जमा कर कर चालक को उसकी रसीद उपलब्ध कराई। इंस्पेक्टर अमरचंद शर्मा ने बताया कि सभी स्थानों पर गंभीर का पूर्वक चेकिंग अभियान जारी है ।

यमुनोत्री धाम में अब तक 29 की मौत

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा पर आई वेस्ट बंगाल की एक महिला श्रद्धालु की यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में शनिवार तड़के मौत हो गई। यमुनोत्री धाम की इस साल यात्रा के दौरान मरने वालों की संख्या 29 हो चुकी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार वेस्ट बंगाल निवासी 65 वर्षीय श्यामली हल्दर अपने परिजनों के साथ चारधाम यात्रा पर आई थी। इस दौरान उनकी यमुनोत्री धाम के प्रमुख पड़ाव जानकीचट्टी में सुबह तड़के तबीयत बिगड़ी, जिन्हें अचेतावस्था में जानकीचट्टी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

महासू देवता मास्टर प्लान को मंजूरी

देहरादून। कैबिनेट ने महासू देवता मंदिर के मास्टर प्लान को मंजूरी दे दी है। इससे क्षेत्र के सुनियोजित विकास के साथ ही मंदिर के संपर्क मार्गों का भी विकास हो सकेगा। सचिव आवास एसएन पांडे ने बताया कि महासू देवता मास्टर प्लान के तहत 26 परिवारों को विस्थापित किया जाना है। उन्होंने बताया कि इस दायरे में आने वाले जिन लोगों के पास आसपास जमीन होगी उन्हें आवास बनाने के लिए 10 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

फ्री राशन में गेहूं-चावल, चीनी के बाद तेल-दाल, मसाला देने का प्लान

14 लाख परिवारों को मिलेगा फायदा

देहरादून। उत्तराखंड के अंत्योदय और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा गारंटी राशन कार्ड वाले करीब 14 लाख परिवारों को सरकार रियायती मूल्य पर विशेष पोषण किट देने की तैयारी कर रही है। शुक्रवार को खाद्य मंत्री रेखा आर्या ने विधानसभा सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक में अधिकारियों को पोषण किट कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

इस किट में दाल, तेल,मसाले सहित कई जरूरत की सामग्री होंगी। यह सामग्री 50 फीसदी तक सब्सिड़ी पर देने पर विचार किया जा रहा है। बैठक के बाद खाद्य मंत्री आर्या ने बताया कि केंद्र और राज्य सरकार ने आम गरीब और जरूरतमंद परिवारों के कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की है। पोषण किट इसी की अगली कड़ी है।

इसमें लाभार्थी परिवार को उसकी रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुएं यानि दाल, तेल, मसाले समेत सभी उपयोगी वस्तुएं होंगी। अधिकारियों को पोषण किट के संबंध में दूसरे राज्यों का अध्ययन करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

मालूम हो कि पडोसी राज्य हिमाचल प्रदेश में पिछले कई वर्षों से रियायती मूल्य पर जरूरत की खाद्य वस्तुएं दी जा रही है। मंत्री ने बताया कि इस योजना के दायरे में फिलहाल अंत्योदय परिवार और एनएफएसए राशन कार्ड वाले परिवारों को रखने पर विचार किया जा रहा है। जल्द ही रियायती नमक योजना को भी शुरू कर दिया जाएगा।

दाल योजना भी होगी नियमित

राज्य में मुख्यमंत्री दाल पोषण योजना पिछले कुछ वर्षों से लागू तो है लेकिन नियमित रूप से लोगों को नहीं मिल पा रही। दाल और सब्सिड़ी की उपलब्धता की वजह से कई बार लोगों को महीनों दाल का इंतजार करना पड़ता है। पोषण किट के जरिए प्रति परिवार प्रतिमाह दाल समेत अन्य जरूरत की चीजें भी उपलब्ध रहेंगी।

मानसून से पहले अनाज का हो जाए भंडारण

खाद्य मंत्री ने अधिकारियों को कहा कि मानसून सीजन शुरू होने से पहले पहले हर जिले में पर्याप्त अनाज की व्यवस्था कर दी जाए। जिलावार आवंटित अनाज का समय पर उठान कर दिया जाए। खासकर आपदा के प्रति संवेदनशील पर्वतीय जिलों में प्राथमिकता के साथ अगले तीन माह के अनाज का भंडारण करा दिया जाए। इसमें लापरवाही बर्दास्त नहीं की जाएगी।

रेणुकास्वामी हत्या मामले में अभिनेता दर्शन की मुश्किलें बढ़ी

● अदालत ने चार जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेजा

बेंगलुरु। कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थुगुदीपा को रेणुकास्वामी की हत्या मामले में एक स्थानीय अदालत ने शनिवार को चार जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अन्य आरोपियों– विनय, प्रदोष और धनराज को भी न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। दर्शन 11 जून से पुलिस हिरासत में थे। दर्शन और अन्य आरोपियों को बेंगलुरु में सेंट्रल जेल ले जाया गया है। दर्शन की दोस्त पवित्रा गौड़ा सहित 13 आरोपियों को दो दिन पहले 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था।

आठ जून को हुई थी हत्या

इस मामले में कुल 17 लोग आरोपी हैं। सूत्रों के अनुसार रेणुकास्वामी ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में पवित्रा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। इसके बाद आठ जून को उनकी हत्या की गई। रेणुकास्वामी का शव नौ जून को सुमनहल्ली में एक अपार्टमेंट से सटे नाले के पास मिला था।

मुख्यमंत्री से नेपाल एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रेवल एजेंट के प्रतिनिधियों ने की भेंट

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शनिवार को सचिवालय में नेपाल एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रेवल एजेंट के प्रतिनिधियों ने अध्यक्ष श्री पद्म विक्रम सिंह के नेतृत्व में भेंट की। उन्होंने मुख्यमंत्री को नेपाल में संचालित पर्यटन गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेपाल से हमारे रिश्ते जुड़े हैं। उत्तराखण्ड एवं नेपाल के पर्यटन व्यवसायी आपस में मिलकर पर्यटन व्यवसाय को नये आयाम देने में मददगार हो सकते हैं। उन्होंने पर्यटन को आर्थिकी का आधार बताते हुए इस दिशा में नेपाल एसोसिएशन ऑफ टूर एंड ट्रेवल के प्रयासों की भी सराहना की।

इस अवसर पर दून ट्रैवल ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल, सचिव प्रवीण चावला आदि भी उपस्थित थे। जबकि नेपाल टूरिज्म बोर्ड के सदस्यों में माया प्रकाश भट्टा, श्री विक्रम शाह आदि उपस्थित थे।

सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार से राज्य के बाहर रोजगार के लिए एनओसी देने से किया इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट उत्तराखंड सरकार के राज्य से बाहर स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज में नौकरी के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) न जारी करने के आदेश पर विचार करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर विचार का मन बनाते हुए उत्तराखंड के सरकारी मेडिकल कॉलेज में सहायक प्रोफेसर (कम्युनिटी मेडिसिन) की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी कर छह सप्ताह में जवाब मांगा है।

पहले हाईकोर्ट ने खारिज कर दी थी याचिका

हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता के हक में किसी तरह का अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता सहायक प्रोफेसर रुद्रेश नेगी ने उत्तराखंड सरकार के एनओसी से इनकार करने के 27 अगस्त 2020 के आदेश को चुनौती दी है। याचिका में उत्तराखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। हाई कोर्ट ने राज्य के बाहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में नौकरी के लिए एनओसी जारी न करने के आदेश को सही ठहराते हुए

सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी कर 6 सप्ताह में मांगा जवाब

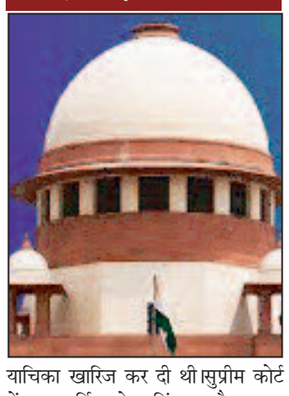

याचिका खारिज कर दी थी।सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति राजेश बिंदल और प्रसन्ना बी. वराले की अवकाशकालीन पीठ ने याचिका पर नोटिस जारी करते हुए कहा कि यह अदालत सिर्फ सरकारी मेडिकल कॉलेज की फैकल्टी मेम्बर को दूसरी जगह नौकरी के लिए एनओसी जारी न करने के 27 अगस्त 2020 के आदेश की वैधानिकता पर विचार करेगा। यानी सुप्रीम कोर्ट देखेगा कि राज्य सरकार का एनओसी देने से इनकार करने का आदेश कानून की निगाह में वैध है कि नहीं। मामले में सात अगस्त को फिर सुनवाई होगी।

एनओसी देना राज्य सरकार का विशेषाधिकार

याचिकाकर्ता की ओर से हाई कोर्ट में दलील दी गई थी कि सिर्फ राज्य के भीतर सरकारी मेडिकल कॉलेज में नौकरी के आवेदन पर ही एनओसी जारी करने की शर्त मनमानी और अवैध है। उनका कहना था कि सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज समान समूह माने जाएंगे, इसलिए उत्तराखंड सरकार द्वारा राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेज और बाहर के सरकारी मेडिकल कॉलेज में किया गया वर्गीकरण गलत है। जबकि राज्य सरकार का कहना था कि एनओसी देना राज्य सरकार का विशेषाधिकार है। अगर वह किसी व्यक्ति को संस्थान के लिए जरूरी पाती है तो एनओसी देने से मना कर सकती है। नियोक्ता को एनओसी जारी करने को बाध्य नहीं किया जा सकता।

जा सकती है मेडिकल कॉलेज की मान्यता

हाई कोर्ट ने एनओसी न देने के आदेश को सही मानते हुए याचिका खारिज कर दी। हाई कोर्ट ने राज्य सरकार के वकील की दलीलें स्वीकार कीं कि उत्तराखंड पहाड़ी राज्य है और राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेज में फैकल्टी सदस्यों की कमी है और अगर फैकल्टी सदस्यों की संख्या तय मानक से कम हो जाती है तो मेडिकल कॉलेज की मान्यता जा सकती है। इसका न सिर्फ मेडिकल छात्रों बल्कि गुणवत्ता पूर्ण मेडिकल सेवाओं के लिए इन सरकारी मेडिकल कॉलेजों पर निर्भर आम जनता पर भी खराब प्रभाव पड़ेगा।

हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि नियोक्ता अपने कर्मचारी को एनओसी देने से मना कर सकता है। राज्य सरकार ने न कहने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया है और यह अधिकार हर नियोक्ता के पास है।

शिक्षा विभाग में 19 प्रधानाध्यापकों के तबादले

देहरादून। शिक्षा अधिकारियों के तबादलों के बाद हाईस्कूल प्रधानाध्यापक के तबादले भी हो गए। शनिवार को माध्यमिक शिक्षा निदेशक महावीर सिंह बिष्ट ने 19 प्रधानाध्यापक के तबादले के आदेश जारी कर दिए।

बिष्ट के अनुसार सामान्य शाखा में किशोर कुमार डोबरियाल, राजेंद्र कुमार द्विवेदी, अखिलेश कुमार सिंह, आनंदनाथ ओझा, महेंद्र सिंह डसीला, राम खेलावन, दीपक बंसल, शैलेंद्र सिंह, आलोक गौतम, हर्षमणि रतूड़ी, प्रमोद कुमार बड़थ्वाल, नेत्रपाल सिंह पंवार, अनूप कुमार, मंगल सिंह राणा, कैलाश चंद्र डिमरी, हरीश चंद्र डिमरी, राकेश कोहली का तबादला किया गया है।

जबकि महिला शाखा में हिमानी बहुगुणा और ज्योति पंत का तबादला हुआ है। सभी तबादले कार्यरत पति/पत्नी श्रेणी, वरिष्ठ कार्मिक, दुर्गम से दुर्गम और सुगम से दुर्गम श्रेणी में किए गए हैं।

ब्रेन डेड मरीज के डोनेट किए गए किडनी से बची दो जिंदगी

● पूर्वोत्तर भारत में सफलतापूर्वक हुआ पहला किडनी ट्रांसप्लांट

गुवाहाटी। गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (जीएमसीएच) ने अपना पहला शव किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक कर इतिहास रच दिया है।

दरअसल, एक ब्रेन डेड मरीज के परिवार के सदस्यों ने दो किडनी दान किया। डोनेट किए गए किडनी को गुवाहटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने दो अन्य मरीजों में सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट किया। असम के मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

सीएम सरमा ने जताया आभार

मुख्यमंत्री सरमा ने कहा, 'हम ब्रेन डेड मरीज के परिवार के सदस्यों के बहुत आभारी हैं। जीएमसीएच के विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने यहां सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट किया और यह गुवाहाटी के साथ–साथ पूर्वोत्तर भारत में भी पहला किडनी ट्रांसप्लांट है। किडनी दो अन्य मरीजों में ट्रांसप्लांट की गईं। अगर हम ब्रेन डेड मरीजों की किडनी दान करने की संस्कृति शुरू करते हैं तो इससे कई लोगों की जान बच जाएगी।'

सरमा ने आगे कहा कि 'हम गुवाहाटी में लीवर ट्रांसप्लांट कराने का भी प्रयास करेंगे। असम के मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जीएमसीएच के डॉक्टरों ने आईवीएफ के माध्यम से एक बच्चे को सफलतापूर्वक जन्म दिया है।

बसपा ने जारी की 13 स्टार प्रचारकों की लिस्ट,

मायावती भी बनाएंगी माहौल, सियासी घमासान शुरू

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तराखंड की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की है। उत्तराखंड में बदरीनाथ और मंगलौर विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव होना है, जिसे लेकर सियासी घमासान शुरू हो गया है। बसपा ने आगामी उत्तराखंड विधानसभा उपचुनाव के लिए 13 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है।

13 स्टार प्रचारकों की सूची में पार्टी प्रमुख मायावती और आकाश आनंद का नाम टॉप पर है। इसके साथ ही लिस्ट में राम जी गौतम, सुरेश आर्य, शीशपाल सिंह, सूरजमहल, शहजाद, बी. आर. धोनी, प्रदीप चौधरी, नाथीराम, नन्द गोपाल, विनोद कुमार गौतम और हरीश चन्द्र सिनौली का नाम शामिल है।

दो सीटों पर होगा उपचुनाव

उत्तराखंड में जिन दो सीटों पर उपचुनाव की घोषणा की गई है। उनमें से एक सीट पर बसपा विधायक सरवत करीम अंसारी के निधन तो एक पर इस्तीफे के चलते उपचुनाव हो रहा है। बदरीनाथ विधानसभा सीट से राजेंद्र सिंह भंडारी ने इस्तीफा दे दिया था।

कब होगा मतदान?

इलेक्शन कमीशन 14 जून को इसके लिए अधिसूचना जारी करेगा। नामांकन के लिए आखिरी तारीख 21 जून होगी। 24 जून तक नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 26 जून होगी। इसके बाद 19 जुलाई को मतदान होगा। 13 जुलाई को मतगणना की जाएगी। आयोग के अनुसार, 15 जुलाई 2024 से पहले निर्वाचन की प्रक्रिया संपन्न हो जानी चाहिए।

नेट परीक्षा विवाद में बड़ी कार्रवाई, एनटीए के महानिदेशक सुबोध कुमार पद से हटाए गए

नई दिल्ली। नेट परीक्षा मामले में केंद्र सरकार ने बड़ा एक्शन लिया है। नीट–यूजी और यूजीसी–नेट परीक्षाओं के आयोजन में अनियमितताओं के आरोपों के मद्देनजर राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के प्रमुख सुबोध कुमार सिंह को शनिवार रात उनके पद से हटा दिया है।

जानकारी के लिए बता दें कि सुबोध कुमार सिंह को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग में अनिवार्य प्रतीक्षा पर रखा गया है। फिलहाल उनके स्थान पर 1985 बैच के सेवानिवृत्त अधिकारी प्रदीप सिंह करोला को अगले आदेश तक उनके स्थान पर नियुक्त किया गया है। पिछले दो महीनों से एनटीए देश की दो सबसे बड़ी प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और पेपर लीक को लेकर विवादों में घिरा हुआ है।

कौन हैं सुबोध कुमार सिंह?

सुबोध कुमार उत्तर प्रदेश के मूल निवासी हैं। उन्होंने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से इंजीनियरिंग में ग्रेजुएशन और मास्टर की डिग्री हासिल की है। वहीं, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली से एमबीए की डिग्री भी हासिल की है।

बांग्लादेश को बड़ी सौगात, ई–मेडिकल वीजा शुरू करेगा भारत

पीएम मोदी ने किया एलान

नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बड़ा एलान किया। जल्द ही बांग्लादेश से भारत इलाज करवाने आने वाले लोगों के लिए ई–मेडिकल वीजा सुविधा की शुरूआत की जाएगी। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत बांग्लादेश से इलाज के लिए आने वाले लोगों के लिए ई–मेडिकल वीजा सुविधा शुरू करेगा। इसके अलावा बांग्लादेश के उत्तर–पश्चिम क्षेत्र के लोगों की सुविधा के लिए रंगपुर में एक नया सहायक उच्चायोग खोलने की पहल की है। पीएम मोदी ने कहा कि बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा विकास साझेदार है और हम बांग्लादेश के साथ अपने संबंधों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हैं।

एक साल में कई परियोजनाओं को पूरा किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बांग्लादेश हमारी नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी, एक्ट ईस्ट पॉलिसी, विजन सागर और इंडो–पैसिफिक विजन के संगम पर स्थित है। पिछले एक साल में हमने मिलकर लोक कल्याण की कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं पूरी की हैं। दोनों देशों के बीच भारतीय रुपये में व्यापार शुरू हो गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच गंगा नदी पर दुनिया का सबसे लंबा रिवर क्रूज सफलतापूर्वक चल रहा है। भारत और बांग्लादेश के बीच पहली क्रॉस–बॉर्डर मैत्री पाइपलाइन पूरी हो गई है। भारतीय ग्रिड के माध्यम से नेपाल से बांग्लादेश को बिजली का निर्यात ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग का पहला उदाहरण है। सिर्फ एक साल में इतने सारे क्षेत्रों में इतनी बड़ी पहल को लागू करना हमारे संबंधों की गति और पैमाने को दर्शाता है।

योगी सरकार का बड़ा फैसला, प्रदेश में होगी 42 हजार होम गॉर्ड की भर्ती

सीएम ने दिए आदेश

लखनऊ। यूपी में 42 हजार होमगार्ड की भर्ती होने जा रही है। सीएम योगी ने इससे जुड़ा आदेश दिया है। प्रदेश में लंबे समय से होम गार्ड में नई भर्ती की बात की जा रही थी।

सरकार की ओर से प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के मुहिम के तहत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा फैसला लेते हुए 42000 होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती के आदेश दिए हैं। उन्होंने जल्द हजारों होमगार्ड्स के सेवानिवृत्त होने के दृष्टिगत जल्द भर्ती प्रक्रिया को शुरू करने को कहा। साथ ही, होमगार्ड्स को आपदा मित्र के रूप में तैनात करने के लिए नियमावली बनाने का निर्देश भी दिया।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश शनिवार को यहां होमगार्ड के विभाग की समीक्षा के दौरान दिए हैं। क़ानून–व्यवस्था और आपदाकाल की स्थिति में होमगार्ड के स्वयंसेवकों की भूमिका की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों में भी उत्तर प्रदेश के होमगार्ड स्वयंसेवकों ने उत्कृष्ट कार्य किया है। इसलिए उन्हें बेहतर सुविधाएं भी मिली चाहिए। सीएम ने फिटनेस के मद्देनजर साप्ताहिक ड्रिल कराने को कहा। वर्तमान में सेवारत होमगार्ड्स को आपदा मित्र का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था शुरू करने का निर्देश दिया।

हर साल सेवानिवृत्त हो रहे 4 हजार

बता दें कि वर्तमान में प्रदेश में 76 हजार से अधिक पूर्णकालिक होमगार्ड स्वयंसेवक हैं। लगभग 75 हजार ड्यूटी पॉइंट पर तैनात हैं। इनमें से प्रति वर्ष लगभग 4 हजार होमगार्ड सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अनुमान के मुताबिक, वर्ष 2033 तक 42 हजार से अधिक होमगार्ड सेवानिवृत्त हो जाएंगे। मुख्यमंत्री ने नई नियुक्ति की प्रक्रिया समय से पूरी करने का निर्देश देते हुए कहा कि दो चरणों मे 21–21 हजार होमगार्ड स्वयंसेवकों की भर्ती करने का लक्ष्य लेकर कार्यवाही आगे बढ़ाएं।

मैनपावर का करें सदुपयोग

योगी ने कहा कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के माध्यम से तैनात आपदा मित्र के रूप में हमारे पास पहले से ही दक्ष मैनपॉवर है। हमें इनका सदुपयोग करना चाहिए। आपदा मित्रों का प्रशिक्षण करावाकर उन्हें होमगार्ड स्वयंसेवक के रूप में सेवा देने का अवसर दिया जाना चाहिए। इस संबंध में राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण से समन्वय स्थापित करते हुए विधिक परामर्श प्राप्त कर नियमावली तैयार करवाएं।

हरिद्वार में वाहनों का दबाव, हाईवे पर सुबह से ही लगा जाम

हरिद्वार। चारधाम यात्रा और वीकेंड के चलते शनिवार को श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। वाहनों का दबाव हाईवे बढ़ गया।

हाईवे पर वाहनों की लंबी कतार सुबह से ही लगनी शुरू हो गई। वाहनों का दबाव अधिक होने पर वाहन हाईवे पर रेंग रेंगकर चलते दिखे। हरकी पैड़ी और आसपास के गंगा घाटों पर सुबह से शाम तक स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। गंगा आरती के समय हरकी पैड़ी यात्रियों से पूरी तरह पैक दिखा। गर्मी का सीजन शुरू होते ही शनिवार और रविवार को आसपास के राज्यों से श्रद्धालु हरिद्वार पहुंचते हैं। चारधाम यात्रा के कारण पहले ही देश के अलग–अलग राज्यों से यात्री हरिद्वार पहुंच रहे हैं।

गुजरात गेम जोन अग्निकांडः

राजकोट के मुख्य अग्निशमन अधिकारी–डिप्टी सीएफओ गिरफ्तार

● अब तक 15 लोगों पर कसा शिकंजा

राजकोट। गुजरात के राजकोट नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) और उप मुख्य वित्त अधिकारी (डिप्टी सीएफओ) को 25 मई को एक गेम जोन में लगी भीषण आग के सिलसिले में शनिवार को गिरफ्तार किया गया। इस हादसे में बच्चों सहित 27 लोगों की मौत हो गई थी। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अब तक 15 लोगों की गिरफ्तारी

अधिकारी ने बताया कि सीएफओ इलेश शेखर और डिप्टी सीएफओ भीखा ठेबा के साथ–साथ टीआरपी गेम जोन में चल रहे निर्माण कार्य के सुपरवाइजर महेश राठौड़ को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि ठेबा भ्रष्टाचार के एक मामले में पहले से ही जेल में है। स्थानांतरण वारंट के जरिए उसकी हिरासत ली गई है। इसके साथ ही अग्निकांड के सिलसिले में अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

कंपनी स उचित पूछताछ न करने का आरोप

पुलिस ने एक बयान में कहा कि पिछले साल चार सितंबर को टीआरपी गेम जोन में वेल्डिंग के काम के दौरान इसी तरह की आग लगी थी।

मंत्रिमंडल में अनुभवी व्यक्ति समाधान कर लेंगे

अवधेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार के 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल के बारे में यह टिप्पणी उचित नहीं लगती कि इसके पीछे गठबंधन दलों के साथियों का बहुत ज्यादा दबाव है।

72 सदस्यीय मंत्रिमंडल में शीर्ष स्तर पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। गृह मंत्री, रक्षा मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और यहां तक कि सडक़ परिवहन, रेल तथा शिक्षा मंत्री भी पूर्व सरकार के ही हैं। विरोधी मोदी को तानाशाह या लोकतंत्र विरोधी की उपाधि देते रहे हैं। उनकी आलोचना अभी भी जारी है और वे कह रहे हैं कि मोदी गठबंधन सरकार नहीं चला पाएंगे क्योंकि उनका स्वभाव ही गैर लोकतांत्रिक है। इस तरह की विरोधी आलोचनाओं पर टिप्पणी करने की जगह हमें समय की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

यह बात सही है कि प्रधानमंत्री मोदी ने 2001 से अभी तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में कभी बहुमतविहीन सरकार नहीं चलाया। वह जिस तरह बड़े कठोर निर्णय साहस के साथ करते रहे हैं उनका ध्यान करते हुए अनेक लोगों का मानना है कि यह स्वभाव गठबंधन सरकार चलाने के रास्ते की बाधा बन जाएगा। गठबंधन सरकार को लेकर लोग आशंकाएं उठाएंगे, लेकिन मोदी के अंदर सरकार चलाने तथा काम करने की इच्छा है।

वैसे मंत्रिमंडल गठन से लेकर विभागों के बंटवारे तक यह कहना कठिन है कि प्रधानमंत्री दबाव में काम कर रहे हैं। थोड़े शब्दों में कहें तो मोदी का 72 सदस्यीय मंत्रिमंडल भारत के भविष्य को लेकर उनकी योजनाओं, राजनीतिक

आवश्यकताओं, साथी दलों के बीच संतुलन बनाने के साथ अनुभव, उम्र आदि के बीच समन्वय बनाने की कोशिश है। पिछली सरकार के 37 मंत्री इसमें हैं। भाजपा अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा की स्वास्थ्य मंत्री के रूप में वापसी हुई है। सहयोगी दलों में हिंदुस्तान आवाम मोर्चा (हम) के नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री 78 वर्षीय जीतन राम मांझी, जद (यू) के राजीव रंजन सिंह, तेलुगू देशम के 36 वर्षीय के राममोहन नायडू, लोजपा के 41 वर्षीय चिराग पासवान और 37 साल की रक्षा खड्से जैसी सरकार की सबसे युवा मंत्री को आधार बनाएं तो कैबिनेट का चेहरा आपकी समझ में आ जाएगा। पिछली सरकार में केवल तीन राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार के थे।इस बार इनकी संख्या 5 हो गई है। इनमें हरियाणा से रविंदरजीत सिंह, जम्मू-कश्मीर से जितेंद्र सिंह और राजस्थान से अर्जुन राम मेघवाल की स्थिति पिछले सरकार के समान है। उत्तर प्रदेश से रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी को स्वतंत्र प्रभार के साथ राज्यमंत्री बनाया गया है। पिछली बार 29 राज्य मंत्री थे, इस बार 36 हैं। मंत्रिमंडल में पांच पूर्व मुख्यमंत्री हैं। 33 मंत्री पहली बार केंद्र सरकार का हिस्सा बने हैं जिनमें सात सहयोगी दलों के हैं। इससे आगे सामाजिक संतुलन की दृष्टि से देखें तो पिछड़ी जातियों के 27, अनुसूचित जाति के 10, अनुसूचित जनजाति के पांच और अल्पसंख्यक समुदाय के पांच मंत्री बनाए गए हैं। इस तरह पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अल्पसंख्यक समुदाय के 47 मंत्री हुए। देशव्यापी प्रतिनिधित्व की दृष्टि से देखें तो इनमें 24 राज्यों का प्रतिनिधित्व है। पंजाब से भाजपा का कोई सांसद नहीं है, लेकिन रवनीत सिंह बिट्टू को राज्य मंत्री बनाया गया है।

उत्तर प्रदेश के परिणाम को देखते हुए माना जा रहा था कि वहां से कम मंत्री होंगे, लेकिन 10 मंत्री बनाए गए हैं और बिहार से आठ। सात महिलाएं हैं। केरल में भाजपा की पहली बार विजई हुई है इसलिए सुरेश गोपी को मंत्री पद मिलना ही था। दूसरे नेता केरल भाजपा के महासचिव जॉर्ज कोरियन हैं जिन्होंने 1970 में जनसंघ से लेकर लगातार भाजपा के लिए संघर्ष किया था। बंगाल से दो लोक सभा सदस्यों डॉ. सुकांत मजूमदार और मतुआ समुदाय के शांतनु ठाकुर को राज्य मंत्री के रूप में शामिल किया गया है। सुकांत उत्तरी बंगाल से हैं तो शांतनु ठाकुर दक्षिण बंगाल के मतुआ समुदाय से हैं जो अनुसूचित जाति वर्ग में आते हैं। भाजपा ने उत्तर बंगाल की आठ में से 5 सीट पर जीत दर्ज की है। शांतनु ठाकुर कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में बनगांव सीट से जीते तो सुकांत उत्तर बंगाल की बालूरघाट सीट से। बंगाल में यदि बेहतर विजय मिली होती तो वहां से और मंत्री बनाए जाते। इस तरह कोई नहीं कह सकता कि यह मंत्रिमंडल कुछ क्षेत्र, समूह, कुछ जातियां या परिवारों तक सीमित है।

इन सबको एक साथ मिलाकर देखें तो पहले निष्कर्ष आएगा कि यह नीतियों और व्यवहार में निरंतरता का मंत्रिमंडल है। सीसीएस यानी सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति में प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 2019 से हैं। इसलिए नीति में कोई बदलाव होगा ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। निश्चित रूप से विश्व की दृष्टि मंत्रिमंडल पर रही होगी और संदेश जा चुका है कि रक्षा, सुरक्षा, विदेश, वित्त सहित अन्य प्रमुख मामलों में नीतियां और व्यवहार स्थिर रहने वालीं हैं। एक पार्टी की बहुमत तथा गठबंधन की सरकार के कार्य व्यवहारों में अंतर रहा है। देश का आर्थिक विकास, सडक़ों का विस्तार, अंतरिक्ष सुरक्षा तथा रक्षा के मामले में सक्षमता और आत्मनिर्भरता का विरोध कौन पार्टी करेगा? जिन्हें विवादास्पद कहा जा रहा है उनमें सवीपरि समान नागरिक संहिता है जो भाजपा के चुनावी वादों में शामिल है। इस संदर्भ में मोदी सरकार के कदमों को लेकर दृष्टि रखनी होगी। हालांकि जद (यू) ने इसका विरोध नहीं किया केवल ठीक प्रकार से विचार कर लाने की बात की थी।

भाजपा को बहुमत होता तो समान नागरिक संहिता को संसद के पटल पर लाने और पारित करने में समस्या नहीं होती। क्या मोदी सरकार इस विषय को कुछ समय के लिए एजेंडा से बाहर रखेगी? अगर गठबंधन से 72 में केवल 11 मंत्री हैं तो इसे दबाव में आना तो नहीं कह सकते। वैसे भी मंत्रिमंडल में इतने अनुभवी व्यक्ति हैं कि कोई मतभेद या सहमति उभरने पर अपने अनुभव के आधार पर वह समाधान कर लेंगे। इतने अनुभवी नेताओं के रहते हुए तत्काल यह नहीं मानना चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी की अगले 5 वर्षों में विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था तथा 2047 तक विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाने जैसे लक्ष्य के मार्ग में मंत्रिमंडल आपसी मतभेद के कारण बाधा बन जाएगा।

सख्त कानून बनाने की तैयारी

मोदी सरकार डीप फेक, गलत सूचनाएं फैलाने या भडक़ाऊ वीडियो बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दुरुपयोग रोकने के मद्देनजर सख्त कानून बनाने की तैयारी में है।

हालांकि यह सब एकदम से नहीं होने जा रहा। इसमें कुछ समय लग सकता है, लेकिन इतना तय है कि सरकार जल्द से जल्द इस बाबत कानून बनाकर लागू करना चाहेगी। चुनाव से पहले भी सरकार ने डिजिटल इंडिया विधेयक का प्रारूप तैयार किया था, लेकिन उस दिशा में आगे काम न हो सका। गलत सूचनाएं फैलाने या लोगों को भडक़ाने की नीयत से डाले गए वीडियो का असर लोक सभा चुनाव में भी देखने को मिला।

चुनाव से पहले और चुनाव प्रक्रिया के दौरान इंफ्लूएंसर्स और सोशल मीडिया ने आम जन की इस कदर विसनीयता हासिल कर ली थी कि लोग इस मीडिया पर आंख मूंदकर विश्वास करने लगे हैं। मान रहे हैं कि सोशल मीडिया उन्हें गुमराह नहीं होने देगा और जमीनी हकीकत से उनकी वाकफियत बनाए रख सकता है।

भाजपा अपने तई पूर्ण बहुमत पाने से चूक गई। उसने अपने सहयोगी दलों के साथ मिल कर गठबंधन सरकार तो बना ली है, लेकिन कहीं-न-कहीं उसे महसूस होता है कि सोशल मीडिया ने प्रोपगेंडा करके उसका खेल बिगाड़ दिया। हालांकि चुनाव से पहले ही वह महसूस करने लगी थी कि सोशल मीडिया लोगों को गुमराह करने के लिए सरकार विरोधी एजेंडा चला रहा है। चुनाव परिणाम देखकर तो उसे तस्दीक ही हो गई कि सोशल मीडिया ने उसकी संभावनाओं पर खासा असर डाला।

वन संपदा का नुकसान

अखिलेश आर्येन्दु

नवम्बर, 2023 से अब तक उत्तराखंड के तमाम इलाकों में लगी आग की तकरीबन एक हजार दो सौ बयालिस घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं जिससे 1,696 हेक्टेयर क्षेत्रफल की वन संपदा का नुकसान हो चुका है। कम से कम दस लोगों की मौत अब तक हो चुकी है।

जैव-विविधता का जो नुकसान हुआ है, उसका अनुमान लगाना मुश्किल हैं। जैव-विविधता और जन-गण का नुकसान अभी रु का नहीं है, जिस पर तुरंत काबू पाने की जरूरत है।

सरकारी आंकड़े के मुताबिक राज्य के कुमाऊं मंडल में सबसे ज्यादा 598 और गढ़वाल मंडल में 532 जंगल की आग की घटनाएं घटीं। पिछले आठ महीने में आग की घटनाओं से वन संपदा का ही नाश नहीं हुआ है, बल्कि काफी बड़े इलाके में तपिश भी बढ़ गई है। इसका असर रानीखेत और अल्मोड़ा के जंगलों में बेकाबू आग के रूप में देखा जा सकता है।

आग से जंगल ही नहीं जल रहे हैं, बल्कि लोगों के घर, दुकान और ऑफिस को भी नुकसान हो रहा है। महज दिल्ली में ही 26 मई, 2024 तक 8912 घटनाएं घट चुकी हैं, जिनमें 55 लोगों की जान जा चुकी है। अरबों का नुकसान हो चुका है देश-दुनिया में हर साल आग की लाखों घटनाएं घटती हैं जिससे करोड़ों की संपत्ति नष्ट होती है, मवेशी मारे जाते हैं, और कई लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। सरकारों के आग पर काबू पाने और मुस्तैदी के सारे दावे धरे रह जाते हैं। अब तक आग की बाइस हजार से अधिक घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में घट चुकी हैं, जिससे करोड़ों-अरबों की संपत्ति खाक हो चुकी है। मवेशी और जन धन की जो हानि हुई है, वह अलग। देश के विभिन्न हिस्सों में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यूं तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भी आग से जंगल तबाह होते रहे हैं, लेकिन जिस बड़े पैमाने पर दोनों पहाड़ी राज्यों में तबाही देखने को मिलती है वैसी अन्य किसी राज्य में नहीं। पिछले तीस वषों में आग की लाखों छोटी-बड़ी घटनाएं घट चुकी हैं जिनमें लाखों हेक्टेयर जमीन में खड़े जंगल प्रभावित हुए हैं। जैविक-विविधता का नाश हुआ है और जीव-जंतु मारे गए।

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के अनुसार भारत को 50 फीसद जंगलों को आग से खतरा है, जिसमें अधिकतर जंगल हिमाचल, जम्मू, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के हैं। कई बार सूखे पत्तों और घनी झाड़ियों को जलाने के लिए आग लगाई जाती है। माना जाता है कि स्थानीय निवासियों द्वारा छोटे इलाकों में सूखे पत्तों और छोटी सूखी वनस्पतियों को जलाने से बड़ी विनाशकारी आग की घटनाएं नहीं होती हैं जिससे पर्यावरण की क्षति, वन क्षेत्र की वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के विनाश का भी खतरा नहीं रहता। राज्य सरकार और केंद्र सरकार को इस तरह के लोगों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित करके छोटे इलाकों के पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले खर-पतवारों को जलाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए।

गर्मी से हाल बेहाल और जल संकट

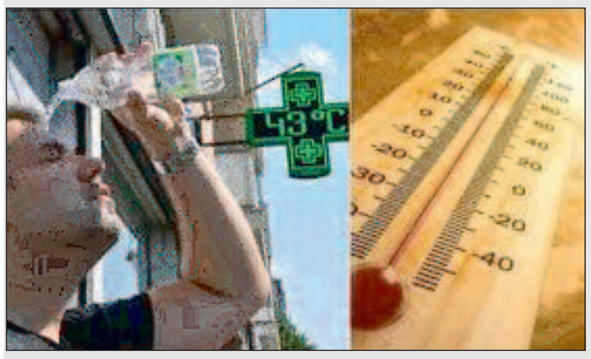

गर्मी के कारण हाल बेहाल है। समूचा उत्तर भारत तप रहा है। बुजुर्गों की स्मृति में भी नहीं है कि उन्होंने पहले कभी इतनी प्रचंड गर्मी की लगातार मार सही हो। दिल्ली और एनसीआर जैसे क्षेत्रों से लू के कारण मरने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।और दूसरी तरफ जब देश की राजधानी दिल्ली में पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है तो देश के जलाभाव वाले क्षेत्रों में क्या स्थिति होगी, उसकी कल्पना करना कठिन नहीं है। जो हो रहा है, वह अनायास या अचानक नहीं हो रहा है। दुनिया भर के पर्यावरणविद् और जलवेत्ता वषों से इस स्थिति की आशंका के प्रति चेतावनी जारी करते रहे हैं। भारत में भी बदलते तापमान और तद्जन्य समस्याओं को लेकर लगातार अपनी बातें सामने रखते रहे हैं।पानी के संकट को लेकर और देश भर में भूजल स्तर की डरावनी गिरावट को लेकर भी चेतावनियां जारी होती रही हैं। इसका कारण खोजने के लिए अतिरिक्त अन्वेषण की जरूरत नहीं है। असंतुलित विकास की भेंट चढ़े देश के वन जंगल, निर्ममता से नष्ट किए गए स्थानिक जल स्रेत और जल संसाधनों पर तीव्र गति से बढ़ती जनसंख्या के दबाव के कारण यह स्थिति पेश हुई है।देश भर में गांव-देहातों तक जिन छोटी-छोटी नदियों का जाल बिछा हुआ था और जो पोखर तालाब जल के संरक्षण के मुख्य वाहक होते थे, वे अब कहीं दिखाई नहीं देते। मनुष्य के अनियंत्रित लालच और हर स्तर पर व्याप्त भ्रष्टाचार ने स्थितियों को कई गुना जटिल किया है तिस पर राजनीतिक दलों की बेहयाई समस्या की आग में घी डालती रहती है।सबसे ज्यादा मौजूदा उदाहरण इस समय दिल्ली का है। दिल्ली में दिल्लीवासियों की कथित सेवा को समर्पित आम आदमी पार्टी की सरकार है, और केंद्र में देश हित के लिए जीने-मरने का दावा करने वाली भाजपा सरकार है और तमाशा यह है कि दोनों ही पार्टियों के प्रतिनिधि दिल्ली के जल संकट के लिए एक दूसरे पर पूरी बेशर्मी से हल्ला बोल रहे हैं।जब दिल्ली के लोग पानी के लिए त्राहि त्राहि कर रहे हैं उस समय दो जिम्मेदार पार्टियों और उनकी सरकारों के इस रवैये को शर्मनाक ही कहा जा सकता है।

कहने में कोई संकोच नहीं कि अगर वास्तविक समस्याओं के प्रति जिम्मेदारी राजनीतिक दलों को रुख इतना गैर-जिम्मेदार है, तो देश और इसकी राजधानी को आने वाले भयानक संकटों से कोई नहीं बचा पाएगा।

ट्रेन हादसों से असामयिक मौत प्रियजनों को पीड़ा

ट्रेन हादसों से जहां करोड़ों की आर्थिक क्षति होती है वहीं यात्रियों की असामयिक मौत प्रियजनों को सदैव के लिए पीड़ा दे जाती है। रेलवे सुरक्षा आयोग की 2022-23 रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार 2020-2021 में 2 गंभीर सहित कुल 22 दुर्घटनाएं, 2021-22 में 2 गंभीर सहित कुल 35 दुर्घटनाएं और 2022-23 में 4 गंभीर सहित 48 रेल दुर्घटनाएं हुई। इनमें रेलवे कर्मचारियों की गलती से 2021-22 में 15 और 2022-23 में 34 दुर्घटनाएं हुई जबकि पिछले 10 वर्ष में कुल 897 रेल दुर्घटनाएं हुई।

अनिरुद्ध गौड़

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में गत सोमवार को बड़ा रेल हादसा हो गया। अगरतला से सियालदह जा रही कंचनजंगा एक्सप्रेस को न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन से 30 किमी. दूर रंगापानी स्टेशन के पास मालगाड़ी ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में 11 लोगों की मौत और करीब 50 लोगों से अधिक घायल हो गए। एक तरफ जहां देश में सुपर फास्ट वंदेभारत जैसी ट्रेन पटरी पर दौड़ रही हैं, रेल सेवाओं के आधुनिकीकरण, ऑटोमेशन में तेजी लाने की दिशा में काम किया जा रहा है, तो रेल भिड़ंत की घटनाएं रेल सेवाओं के प्रबंधन पर सवाल उठा रही हैं ट्रेन हादसों से जहां करोड़ों की आर्थिक क्षति होती है वहीं यात्रियों की असामयिक मौत प्रियजनों को सदैव के लिए पीड़ा दे जाती है।रेलवे सुरक्षा आयोग की 2022-23 रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार 2020-2021 में 2 गंभीर सहित कुल 22 दुर्घटनाएं, 2021-22 में 2 गंभीर सहित कुल 35 दुर्घटनाएं और 2022-23 में 4 गंभीर सहित 48 रेल दुर्घटनाएं हुई। इनमें रेलवे कर्मचारियों की गलती से 2021-22 में 15 और 2022-23 में 34 दुर्घटनाएं हुई जबकि पिछले 10 वर्ष में कुल 897 रेल दुर्घटनाएं हुई इनमें 87 गंभीर दुर्घटनाएं रहीं। हालांकि 2013-14 के बाद से रेल दुर्घटनाओं के ग्राफ में कमी का रुझान है। दुर्घटनाओं से रेलवे संपत्ति की क्षति की बात करें तो पिछले 10 वर्ष में रेलवे को 2015-16 में 64.46 करोड़ रुपये की सर्वाधिक क्षति हुई। 2020-21 ऐसा वर्ष रहा जिसमें सबसे कम 36 लाख क्षति रही जबकि 2021-22 में 3.15 करोड़ और 2022-23 में 55.81 करोड़ रुपये की क्षति हुई। इस घटना में रानीपतरा रेलवे स्टेशन और चत्तर हाट जंक्शन के बीच स्वचालित सिग्नल प्रणाली सुबह 5.50 बजे से खराब थी। सिग्नलिंग प्रणाली फेल होने पर स्टेशन मास्टर ने कंचनजंगा एक्सप्रेस और मालगाड़ी को 'टीए 912' लिखित अधिकार पत्र जारी कर लाल हुए सिग्नलों को पार करने की अनुमति दी थी।एक ही ट्रैक पर जा रही मालगाड़ी ने लापरवाही के चलते कंचनजंगा एक्सप्रेस को पीछे से टक्कर मार दी। भीषण टक्कर से गार्ड डिब्बे के परखचे उड़ गए। पार्सल रैक का डिब्बा उछल कर मालगाड़ी के इंजन पर जा चढ़ा और कई डिब्बे पटरी से इधर-उधर छिटक गए। मालगाड़ी के लोको पायलट और कंचनजंगा एक्सप्रेस के गार्ड की मौत हो गई। रेलवे बोर्ड की चेयरमैन एवं सीईओ जया वर्मा सिन्हा का दावा है कि प्रथम दृष्टया जांच में सामने आ रहा है कि हादसा मानवीय चूक के कारण हुआ। लोको पायलट ने सिग्नल को तोड़ा जिससे मालगाड़ी की कंचनजंगा एक्सप्रेस से जोरदार टक्कर हुई।

हादसा कई प्रश्न खड़े कर रहा है कि आखिर, मालगाड़ी के लोको पायलट से यह चूक कैसे हुई? मालगाड़ी की स्पीड इतनी तेज क्यों रही? खराब सिग्नल क्यों जल्दी से ठीक नहीं हो सका? संचालन के बीच लापरवाही का क्या कारण रहा? जिस रेल सुरक्षा कवच का डंका बजाया जा रहा था वह इस ट्रैक पर अब तक क्यों नहीं लगा?दो जून, 2023 को ओडिशा के बालासोर में कोरोमंडल एक्सप्रेस सहित तीन ट्रेनों की टक्कर लोग भूले नहीं हैं, जिसमें 296 की मौत और करीब एक हजार लोग घायल हुए थे। 29 अक्टूबर, 2023 को आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम-रायगड़ा पैसेंजर स्पेशल ट्रेन हादसे, विशाखापत्तनम-पलासा पैसेंजर टक्कर और 13 यात्रियों की मौत सहित 12 अक्टूबर, 2023 को बिहार के बक्सर में रघुनाथपुर स्टेशन के समीप पटरी से उतरी कामाख्या नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस हादसे में 4 की मौत और 75 घायल की घटनाओं से रेलवे ने शायद सीख नहीं ली है।

रेल हादसे न हों उसके लिए रेलवे करीब दो साल पहले सुरक्षा कवच सिस्टम लाई थी। लेकिन आत्मनिर्भर भारत योजना के तहत निर्मित रेलवे का यह कवच सिस्टम बेहद धीमी गति से रेलवे मागरे पर लगाया जा रहा है। भारत में कुल 68,083 किमी. रेल नेटवर्क है। आठ साल पहले फरवरी, 2016 में इस कवच सिस्टम का पहली बार यात्री ट्रेन में लगा कर ट्रायल किया गया था। अभी तक रेलवे 1465 किमी. ट्रेन रूट पर ही कवच सिस्टम लगा सकी है। दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा रेलमार्ग पर 2951 किमी. में कवच सिस्टम लगाने का काम बाकी है जबकि 35,736 किमी. और रेलमार्ग पर कवच सिस्टम लगाने की मंजूरी मिली है। रेलवे बोर्ड चेयरमैन का कहना है दिल्ली-गुवाहाटी में कवच लगाना अगली योजना में है। उनका दावा है कि पूरे भारत के रेलवे ट्रैक पर मिशन मोड में धीरे-धीरे कवच लगाने की योजना है। इस पर भी सवाल है कि सुरक्षा के लिए यदि कवच लगाने का काम इसी तरह धीमी चाल से चलता रहा तो पूरे 68,083 किमी. रेलवे ट्रैक पर कवच लगाने में दशकों लग जाएंगे। बड़ा सवाल यह भी है कि रेलवे द्वारा पदों की भर्ती में देरी भी इन हादसों की ओर इशारा करती है।

विजय वर्मा स्टारर मटका किंग की शूटिंग शुरू, जारी हुआ नया पोस्टर

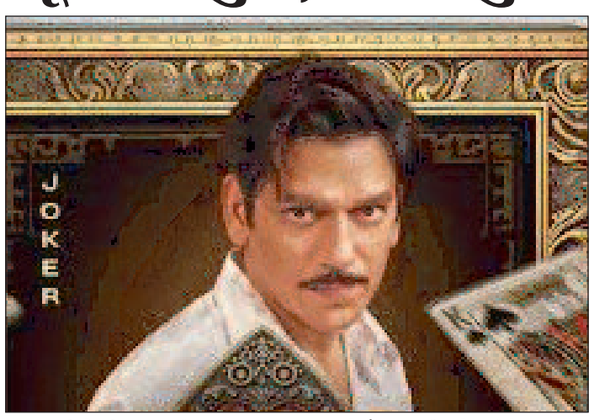

इन दिनों विजय वर्मा स्टारर क्राइम थ्रिलर मटका किंग की काफी चर्चा है। फैंस इस सीरीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच मेकर्स ने एक बड़ा अपडेट जारी किया है। मेकर्स ने एक्टर का नया पोस्टर शेयर करते हुए बताया कि सीरीज की शूटिंग शुरू हो चुकी है।

पोस्टर में विजय 90 के दशक के अवतार में नजर आ रहे हैं। उन्होंने व्हाइट शर्ट पहनी हुई है, और ताश के साथ खेलते हुए दिख रहे हैं। पोस्टर को शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, शर्त लगाने के लिए तैयार! मटका किंग जल्द ही, लेकिन अभी शूटिंग शुरू। मटका किंग की कहानी 1960 के दशक की है, जिसमें एक कपास व्यापारी मटका नामक एक नया जुआ खेल शुरू करता है। यह खेल शहर में तूफान मचा देता है। यह खेल पहले सिर्फ अमीरों और अभिजात वर्ग के लिए आरक्षित था, लेकिन अब हर वर्ग के लोग जुड़ जाते हैं। इस सीरीज में कृतिका कामरा, सई ताम्हणकर, गुलशन ग्रोवर और सिद्धार्थ जाधव जैसे कलाकार शामिल हैं।

बॉक्स ऑफिस पर छाई चंदू चैंपियन, 6 दिनों में 30 करोड़ के पार हुई फिल्म

कार्तिक आर्यन की फिल्म चंदू चैंपियन को सिनेमाघरों में रिलीज का एक सप्ताह पूरा होने जा रहा है, लेकिन यह बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है।वीकेंड पर बढिय़ा कारोबार करने के बाद कामकाजी दिनों में चंदू चैंपियन की दैनिक कमाई में भारी गिरावट दर्ज की जा रही है।यह बॉक्स ऑफिस पर धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है।आइए जानते हैं चंदू चैंपियन ने छठे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए हैं। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक, चंदू चैंपियन ने अपनी रिलीज के छठे दिन यानी बुधवार को 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 32.75 करोड़ रुपये हो गया है।यह फिल्म देश देश के पहले पैरालिंपिक स्वर्ण जीतने वाले मुरलीकांत पेटकर के जीवन पर आधारित है।

बेंगलुरु में महिला बैटर्स का होगा हल्ला बोल या गेंदबाजों की धार करेगी वार

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम इस समय शानदार फॉर्म में है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली इस टीम ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 की बढ़त ले ली है। अब तीसरे मैच में ये दोनों टीमें रविवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में साउथ अफ्रीका जीत हासिल कर अपनी लाज बचाना चाहेगी तो वहीं टीम इंडिया मेहमान टीम का सूपड़ा साफ करने की फिराक में होगी। तीसरा मैच वहीं खेला जाएगा जहां शुरुआती दो मैच खेले गए थे यानी बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में। दोनों मैचों में भारतीय बल्लेबाजों ने अच्छे रन बनाए थे। पहले मैच में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज नहीं चली थीं लेकिन तीसरे मैच में उनके बल्ले से भी रन निकले थे।

कैसी है पिच

बेंगलुरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग से कम नहीं है। यहां गेंद आसानी से बल्ले पर आती है और जमकर रन बरसते हैं। छोटी बाउंड्री होने के कारण यहां रन बनाना और आसान हो जाता है। यहां बड़े से बड़ा स्कोर होने के बाद भी उसे डिफेंड करना काफी मुश्किल होता है। यहां जो भी टीम टॉस जीतेगी वो पहले बल्लेबाजी करना पसंद करेगी।

क्या हैं हेड टू हेड आंकड़े

दोनों टीमों के बीच अगर हेड टू हेड आंकड़े देखे जाएं तो भारत का पलड़ा इसमें भारी है। दोनों टीमों के बीच 30 मैच खेले गए हैं जिसमें भारत ने 17 मैच जीते हैं तो वहीं साउथ अफ्रीका की टीम 12 मैच जीतने में सफल रही है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है।

ऑडियो सीरीज एंटरटेनमेंट का एक बेहतरीन जरिया है: नायरा बनर्जी

सोशल मीडिया पर मशहूर एक्ट्रेस नायरा एम. बनर्जी अपने रिलेशनशिप स्टेटस को लेकर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। इस बीच वह एक्टर निशांत मलकानी के साथ ऑडियो सीरीज इंस्टा एम्पायर को लेकर चर्चाओं में है। एक्ट्रेस ने ऑडियो सीरीज में काम करने का अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। नायरा का मानना है कि ऑडियो सीरीज में काम करने से एक्टर के विजुअलाइजेशन स्किल्स में सुधार होता है। उन्होंने ऑडियो स्टोरीटेलिंग को थेरेप्यूटिक एंटरटेनमेंट बताया। ऑडियो सीरीज इंस्टा एम्पायर को लेकर उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विजुअल के बिना, एक्टर्स को ऑडियो फॉर्मेट में कहानी सुनाते समय इमोशन्स को जाहिर करने के लिए अपनी इमेजिनेशन को बढ़ाना चाहिए। एक्ट्रेस ने कहा, इमेजिनेशन को बढ़ाने से मन में इमेज बनाने की क्षमता मजबूत होती है। एक्टर का काम किसी किरदार को जीवंत करना होता है। ऑडियो सीरीज के फॉर्मेट से किरदार को बखूबी और बारीकी से पेश करने के लिए ज्यादा स्पेस मिलता है। लिस्नर्स के लिए, ऑडियो सीरीज एंटरटेनमेंट का एक बेहतरीन जरिया है जो थेरेप्यूटिक है, क्योंकि वे आपको अपने दिमाग में कहानी की पिक्चर बनाने देते हैं। ऑडियो स्टोरीटेलिंग भारतीय संस्कृति का हिस्सा है, कई घरों में आज भी माता-पिता या दादा-दादी बच्चों को सोते समय कहानी सुनाते हैं, यह एक परंपरा है। इस परंपरा ने हमारे मन में ऑडियो स्टोरीटेलिंग के प्रति प्यार को बनाए रखा है। उन्होंने आगे बताया कि जहां विजुअल एंटरटेनमेंट की अपनी जगह है, वहीं ऑडियो एंटरटेनमेंट ज्यादा दिलचस्प है, जो टाइम, लोकेशन, एक्सेस या एक्टिविटी की परवाह किए बिना हमारी लाइफ में फिट हो जाता है।

खत्म होगा ग्लेन मैक्सवेल के बल्ले का सूखा, अब जमकर बरसेंगे रन

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के तूफानी बल्लेबाज ग्लेन मैक्सवेल का बल्ला टी20 वर्ल्ड कप में अभी तक शांत है। इस तूफानी बल्लेबाज के बल्ले से रन नहीं निकल रहे हैं। लेकिन अब ऑस्ट्रेलिया का मैच उस टीम से जिसे मैक्सवेल काफी पसंद करते हैं और इस टीम के खिलाफ ऐतिहासिक पारी खेल चुके हैं। मैक्सवेल उस पारी से प्रेरणा लेकर अपने रनों के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगे और वह इसके लिए उतारू हैं। ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस ने मैच से पहले उस पारी को याद किया है।

मेरा घर से बाहर निकलने का नहीं करता था मन', इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने बताई 9 महीने की दर्दनाक कहानी

नई दिल्ली। कई बार इंसान की मानसिक स्थिति ऐसी हो जाती है कि वो घर से बाहर तक नहीं निकलता, लोगों से बात नहीं करता है। कुछ ऐसा ही हाल इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन का था। वह इस कदर तनावग्रस्त हो गए थे कि उनका घर से बाहर निकलने का मन नहीं करता था। वॉन ने फिर इससे लड़ाई लड़ी और अब अपनी कहानी शेयर की है। वॉन ने बताया कि बीते नौ महीने उनके लिए काफी तनावग्रस्त रहे लेकिन अब वह ठीक हैं। वॉन ने कहा कि अपनी कहानी बताकर वह सांत्वना नहीं लेना चाहते बल्कि लोगों को जागरूक करना चाहते हैं कि जब वह इस तरह की स्थिति में हों तो कैसे बाहर निकलें।

लोगों की मदद करना चाहता हूं

वॉन ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करते हुए लिखा,"आज, मैं अपनी तनाव संबंधी बीमारी के बारे में बात करना चाहता हूं जिसके कारण मैं नौ महीनों से परेशान हूं। मैं सच में सांत्वना नहीं चाहता क्योंकि मैं भाग्यशाली हूं कि मैंने समय पर इसका ईलाज कराया। मैं बस उन लोगों की मदद करना चाहता हूं, जिनको पता नहीं चलता कि वह तनाव में हैं और जब पता चलता है तो काफी देर हो चुकी होती है। ईलाज से मुझे काफी मदद मिली है, लेकिन कई और चीजें भी मेरी जिंदगी में आईं।"

एक नजर

मंदाकिनी नदी में डाले 10 हजार महासीर मछली के बच्चे

रूद्रप्रयाग : केदारघाटी में सिंगोली-भटवाड़ी जल विद्युत परियोजना के 10 किमी. क्षेत्र में रिन्यू जल ऊर्जा प्रा.लि. ने महासीर मछली के 10 हजार बच्चों को मंदाकिनी नदी में डालकर मत्स्य संवर्धन प्रकल्प योजना का विधिवत शुभारंभ कर दिया है। डीएफओ रुद्रप्रयाग अभिमन्यु के साथ ही कंपनी के अधकारियों की मौजूदगी में कार्यक्रम का उदघाटन किया गया। इस मौके पर रिन्यू जल ऊर्जा की पहल की सभी ने सराहना की। इस मौके पर मत्स्य अनुसंधान भीमताल से लाई गई 10 हजार महासीर के बच्चों को मंदाकिनी नदी में छोड़ा गया जबकि 10 हजार बच्चों को पोर्ट में डाला गया जिन्हें बड़ा करने के बाद नदी में छोड़ा जाएगा। इस मौके पर संस्थान के वरिष्ठ शोधार्थी सुधांशु चमोली, डॉक्टर गिरिजा पांडेय, अनूप शाह, आशुतोष उपाधाय, जयमित्र बिष्ट, रजनीश, सुबोध, सतीश आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

बदहाल और बंद पड़े मोटर मार्ग को खोलने की मांग

नई टिहरी : जौनपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत दबाली के प्रधान गुड्डू लाल ने शनिवार को लोनिवि थत्यूड़ को पत्र भेजकर गांव के बदहाल और बंद पड़े बिलोंदी से नौघर-फोड़ोगी-बिडकोट-दबाली-नकुर्ची मोटर मार्ग को खोलने और सुधारीकरण की मांग की है। कहा कि लंबे समय से सड़क जर्जर बनी हुई है। जून के प्रथम सप्ताह में बारिश के बाद सड़क पर कई जगह स्लिप आने से सड़क पर यातायात करना मुश्किल हो गया है। ऐसे में जनहित में जल्द सड़क को खोलने और मरम्मत की मांग की है। मांग करने वालों में प्रताप सिंह असवाल, गोकल सिंह, बचन सिंह, रघुवीर सिंह, सुरेंद्र सिंह आदि शामिल रहे। उधर लोनिवि थत्यूड़ के ईई लोकेश सारस्वत का कहना है कि 3 किमी लंबे बिलोदी-फिडोगी-बिडकोट मोटर मार्ग पर 2 किमी. तक विभाग ने मरम्मत कार्य कर दिया है। अवशेष हिस्से को भी जल्द ठीक किया जा रहा है। जल्द ही सड़क की मरम्मत की जाएगी। (एजेंसी)

नरेंद्रनगर में आज होगा संत समागम

नई टिहरी : जीआईसी नरेंद्रनगर में रविवार को निरंकारी संत समागम का आयोजन होगा। संत निरंकारी सत्संग के संयोजक कल्याण सिंह नेगी ने बताया कि सत्संग में सद्गुरु माता सुदीक्षा महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित महाराज प्रतिभाग करेंगे। बताया कि नरेंद्रनगर शाखा को निरंकारी संत समागम के आयोजन का अवसर 12 साल बाद मिला है। इससे पहले 2012 में नरेंद्र नगर में समागम का आयोजन हुआ था। समागम में नरेंद्र नगर शाखा के आसपास से हजारों संख्या में मिशन से जुड़े श्रद्धालु लोग इस समागम में आयेंगे। समागम की तैयारियों के चलते नरेंद्रनगर शाखा के सेवादार बड़े उत्साह के साथ जोर-शोर से तैयारी और व्यवस्थाओं को पूरा करने में लगे हैं। जिसमें सेवादल शिक्षक रमेश असवाल, नरपाल सिंह भंडारी, ज्योति पुंडीर, अमित राणा ,नीलम राणा आदि लोग शामिल हैं। (एजेंसी)

सिचांई नहर क्षतिग्रस्त, काश्तकार परेशान

नई टिहरी : चंबा ब्लॉक की धार–अकरिया पट्टी के ग्राम खांड और तैला के खेतों की सिंचाई करने वाली नहर बीते 3 साल से क्षतिग्रस्त पड़ी हुई है। खांड और तैला के ग्रामीणों ने शनिवार को सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता को दिए ज्ञापन में बताया कि सिंचाई नहर क्षतिग्रस्त होने से गांव के काश्तकार परेशान हैं। उन्होंने शासन-प्रशासन से नहर मरम्मत कर उसमें पानी चलाने की मांग की है।(एजेंसी)

आवासीय भवनों हेतु जल्द चिन्हित करें भूमि

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिला जज कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवासीय भवन बनाने हेतु भूमि चिन्हित करने के संबंध में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अशोक कुमार सैनी के कार्यालय कक्ष में बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने कहा कि जिला जज कार्यालय के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए आवासीय भवन बनाने के लिए भूमि चिन्हित करने हेतु जिला प्रशासन को अवगत कराया गया है। कहा कि जिला प्रशासन अधिकारी प्राथमिकता से जिला जज कार्यालय के अधिकारियों एवं कार्मिकों के लिए आवासीय भवनों हेतु यथाशीघ्र भूमि चिन्हित करने के लिए उचित कार्यवाही करें, ताकि संबंधित भूमि का आंगणन प्रस्ताव मा. उच्च न्यायालय को आवश्यक कार्यवाही हेतु उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने ऊखीमठ न्यायालय में जो भी भूमि स्थानांतरित की जानी है उसमें यथाशीघ्र कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने अधिशासी अभियंता लोनिवि से कहा कि उनके द्वारा जिला जज कार्यालय परिसर में जो भी निर्माण कार्य किए जा रहे हैं उनको यथाशीघ्र पूर्ण करें।

पर्यटकों से फुल हुई पर्यटक नगरी, बारिश ने खुशनुमा किया मौसम

वीकेंड पर बड़ी संख्या में लैंसडौन घूमने पहुंचे मैदान के पर्यटक

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : मैदान की गर्मी व उमस से निजात के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पर्वतीय क्षेत्रों में पहुंच रहे हैं। यहीं कारण है कि शनिवार को वीकेंट पर लैंसडौन पर्यटकों से पूरी तरह फुल था। दोपहर के समय हुई बारिश से लैंसडौन का मौसम और अधिक खुशनुमा हो गया। नगर समेत निकटवर्ती क्षेत्रों के होटल पूरी तरह पैक हो गए हैं। वहीं, बिना बुकिंग के नगर में आने वाले कई पर्यटकों को निराश होकर लौटना पड़ा या फिर आसपास के अन्य क्षेत्रों में रात्रि विश्राम के लिए जाना पड़ा।

पर्यटकों की आमद से नगर के पर्यटक स्थलों में खासा रौनक बनी हुई है। जबकि, होटल व्यवसाय से जुड़े लोगों के चेहरों पर भी रौनक देखने को मिल रही है। शुक्रवार से ही पर्यटकों के नगर में पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था, शनिवार को नगर समेत निकटवर्ती क्षेत्र जयहरीखाल, पौखाल, गुमखाल समेत डेरियाखाल, पालकोट में स्थित सभी होटलों के रूम पूरी तरह पैक हो गए। भीड़ के चलते नगर के छोटे होटलों समेत होम-स्टे में भी पर्यटकों को कमरे ढूढ़ने के लिए पसीने बहाने पड़े। कई पर्यटकों को लैंसडौन में रूम न मिलने के कारण फतेहपुर समेत अन्य क्षेत्रों में रात्रि विश्राम के लिए जाना पड़ा। नगर में उमड़ी पर्यटकों की बेहताशा भीड़ के चलते टिप-इन-टाप समेत चर्च रोड, संतोषी माता के मंदिर समेत कई पर्यटक स्थलों में पूरे दिन रौनक बनी रही।

बारिश के दौरान खुशनुमा हुआ लैंसडौन का मौसम

झील सूखने से नहीं हो रही वोटिंग

पर्यटन नगरी में भुल्ला लेक (झील) सूखने के कारण वोटिंग बंद पड़ी है। जिसके चलते लोग वोटिंग का आनंद तो नहीं ले पा रहे हैं, लेकिन झील के किनारे मचान, समेत प्राकृतिक सौंदर्य को अपने कैमरों में जरूर कैद कर रहे हैं। यह लेक नगर का सबसे अधिक पसंद किए जाने वाला पर्यटक स्थल है। उम्मीद थी कि नगर में मौसम के करवट लेने के साथ ही वर्षा से झील का जलस्तर कुछ बढ़ जाएगा।

लैंसडौन में हुई बारिश के बाद मौसम भी खुशनुमा हो गया था। वहीं, पर्यटक पहाड़ी थाली के साथ बुरांश के जूस का स्वाद भी चख रहे हैं। कई होटलों में पहाड़ी थाली में मंडवे की रोटी, साग, हरी सब्जी, झंगोरे की खीर के साथ स्थानीय मिठाई परोसी जा रही है।

बाढ़ सुरक्षा दीवार नहीं बनने पर जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : पनियाली गदेरे के आसपास बाढ़ सुरक्षा दीवार का निर्माण नहीं होने पर शिवपुर, आमपड़ाव व मानपुर के लोगों ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि वर्षाकाल में पनियाली गदेरे के उफान में होने से नुकसान की संभावना है। जनता के हित को देखते हुए जल्द से जल्द सुरक्षा दीवार का निर्माण करवाया जाना चाहिए।

जनाधिकार मंच की ओर से विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण को इस संबंध में ज्ञापन दिया गया। मंच के अध्यक्ष आशाराम ने कहा कि वर्षाकाल में पनियाली गदेरा उफान पर रहता है, जिससे शिवपुर, आमपड़ाव, मानपुर क्षेत्र के लोगों को खतरा बना हुआ है। वर्षाकाल में हर साल लोगों को नुकसान झेलना पड़ता है। वर्ष 2020 में पनियाली गदेरे में आधा अधूरे पुस्तों का निर्माण करवाया गया था। लेकिन, बीते वर्ष आई आपदा में पुश्ते बह गए। प्रशासन की तरफ से पनियाली गदेरे के निकट बसे लोगों के मकान भी खाली करवाए गए थे। इस दौरान एक महिला भी बह गई। साथ ही एक मकान भी गदेरे की भेंट चढ़ गया।

अतिक्रमण चिह्नित करते हुए प्रशासन ने लाल निशान भी लगाए थे। वर्ष 2023 में आई आपदा के चलते गदेरे से लगी भूमि भी बह गई थी। पनियाली गदेरे से होने वाले नुकसान से बचाव के लिए बाढ़ सुरक्षा दीवार का निर्माण करवाया जाना जरूरी है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को बाढ़ सुरक्षा दीवार का निर्माण वर्षाकाल से पूर्व करवाने की मांग की है।

सड़क दुर्घटना में मासूम की मौत, भाजपा नेता समेत तीन घायल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : धुमाकोट क्षेत्र के अंतर्गत मर्चूला-ढोटियाल मार्ग पर एक कार अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। दुर्घटना में भाजपा नेता समेत उसके परिवार के तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि, हादसें में एक पांच माह के मासूम की मौत हो गई। घायलों का रामनगर अस्पताल में उपचार चल रहा है।

घमंडपुर निवासी भाजपा नेता अमित नेगी शुक्रवार सुबह कोटद्वार में योग दिवस के कार्यक्रम में शामिल रहे। दिन में वह अपनी भाभी किरन देवी, सास सरोज देवी व पांच माह के भतीजे को लेकर कोटद्वार भाबर के घमंडपुर स्थित आवास से अपनी कार से निकले थे। उन्हें धूमाकोट के आंसौं बाखली गांव जाना था। जिसके लिए उन्होंने रामनगर के मर्चूला होते हुए जाना ठीक समझा। अल्मोड़ा जिले की शल्ट थाना क्षेत्र में उनकी कार सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। शल्ट पुलिस ने राहत व बचाव कार्य कर उन्हें खाई से निकालकर पास के अस्पताल भेजा, जहां पांच माह के बच्चे की मौत हो गई। हादसे में अमित नेगी समेत तीनों लोग बुरी तरह से घायल हैं।

राजकीय सम्मान देने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : राज्य आंदोलनकारी नंदलाल धनगर ने राज्य निर्माण आंदोलनकारी की मृत्यु पर राजकीय सम्मान देने की मांग की है। कहा कि इसके साथ ही उनके परिवार की सुध भी ली जानी चाहिए।

शनिवार को उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री को प्रेषित ज्ञापन में उन्होंने कहा है कि अब तक कई राज्य निर्माण आंदोलनकारी बगैर अंतिम राजकीय सम्मान के संसार से विदा हो चुके हैं। शासन की ओर से उनकी मृत्यु पर कोई भी संवदेना व्यक्त नहीं की जाती, क्योंकि स्थानीय प्रशासन की ओर से इस संबध में शासन को अवगत ही नहीं कराया जाता है। अभी तक ऐसा कोई अनिवार्य प्रावधान ही नहीं बना है।

मवाकोट-कण्वाश्रम मोटर मार्ग मरम्मत को उक्रांद ने दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : पूर्व में शिकायत के बाद भी मवाकोट-कण्वाश्रम मोटर मार्ग की मरम्मत नहीं होने पर उत्तराखंड क्रांति दल ने रोष व्यक्त किया है। कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने सरकार के खिलाफ धरना देते हुए जल्द मार्ग की मरम्मत करवाने की मांग उठाई। कहा कि मालन पुल धराशायी होने से लोगों के पास आवागमन के लिए यही केवल एक मात्र विकल्प है।

शनिवार को कार्यकर्ता व पदाधिकारियों ने घराट मार्ग पर धरना दिया। उक्रांद के संरक्षक डा. शक्ति शैल कपरवाण ने कहा कि गत वर्षा काल में मालन नदी का पुल धराशायी हो गया था। जिसके बाद आवागमन के लिए मवाकोट-कण्वाश्रम मोटर मार्ग को विकल्प के रूप में तैयार किया गया। लेकिन, उक्त मार्ग की स्थिति बदहाल होने के कारण आवागमन करने वालों को

कोटद्वार के घराट मार्ग पर धरना देते कार्यकर्ता व पदाधिकारी

काफी परेशानी हुई। बताया कि वर्तमान में कोटद्वार-भाबर की जनता आवागमन के लिए नदी पर बने वैकल्पिक मार्ग का प्रयोग कर रही है। लेकिन, वर्षाकाल में नदी उफान पर आने से इस मार्ग का प्रयोग नहीं हो सकता। ऐसे में सरकार को जल्द से जल्द मवाकोट-कण्वाश्रम मोटर मार्ग की मरम्मत करवानी चाहिए। जिससे जनता को बेहतर लाभ मिल सकें। इस दौरान प्रदेश सरकार से चिल्लरखाल-लालढांग मोटर मार्ग मरम्मत की भी मांग की गई। कहा कि मुख्यमंत्री इस समय स्वयं स्टेट राज्य वन जीवन बोर्ड के अध्यक्ष हैं। ऐसे में उन्हें इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। इस मौके पर दीपक सिंह रावत, भारत मोहन काला, विनोद चौधरी, सर्वेंद्र काला, अनिल जोशी, प्रभाकर ध्यानी, केके कुकरेती, सतेंद्र नेगी, रामचंद्र नेगी, महिपत नेगी, गंभीर नेगी, नरेश थापा, तेज प्रकाश, दिनेश धूलिया, भीर नेगी, नरेश थापा, तेज प्रकाश, दिनेश धूलिया आदि मौजूद थे।

वाहन के शीशे तोड़ रकम उड़ाने वाला गिरफ्तार

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत गाड़ीघाट में घर के बाहर खड़े एक पिकअप वाहन के शीशे तोड़ रकम उड़ाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की गई रकम भी बरामद कर ली है।

मामले में 21 जून को गाड़ीघाट निवासी यूसुफ की ओर से तहरीर दी गई थी। जिसमें उन्होंने बताया कि उन्होंने अपना पिकअप वाहन घर के बाहर खड़ा किया हुआ था। कुछ देर बाद जब वह वाहन के समीप पहुंचे तो उसका शीशा टूटा हुआ था। बताया कि वाहन के भीतर रखे 38 हजार रुपये भी गायब थे।

शिकायत के बाद पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए। जिसमें रिखणीखाल लैंसडौन ग्राम जिकुणीया निवासी अमित कुमार चोरी की घटना को अंजाम देता हुआ दिखाई दिया। पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह अमित को चोरी की गई रकम के साथ लकड़ीपड़ाव क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

कोटद्वार पुलिस की हिरासत में चोरी का आरोपी

मालन पुल नहीं बनने पर पूर्व सैनिकों ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लंबे समय बाद भी मालन पुल का निर्माण नहीं होने पर पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने रोष व्यक्त किया है। कहा कि इस वर्ष भी भाबर वासियों को बरसात में लंबी दूरी तय कर मुख्य बाजार आना पड़ेगा।

इस संबध में शनिवार को परिषद से जुड़े पूर्व सैनिको की अपर कालाबड़ स्थित कार्यालय में बैठक हुई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि मालन पुल को टूटे एक साल से अधिक का समय हो गया है, लेकिन जनप्रतिनिधियों की लचर कार्यशैली के कारण पुल अभी तक नही बन पाया है। इस कारण भाबर वासियों को इस साल भी बरसात में लंबी दूरी तय कर मुख्य बाजार पहुंचना पड़ेगा। वर्तमान में पुल को बनाने की कई आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि इसका इस्तेमाल करना नहीं चाहते। इसका खामियाजा जनता को भुगतना पड़ रहा है, जो गलत है। सरकार को इस संबंध में त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। बैठक में जीके बड़थ्वाल, सीपी डोबरियाल, श्रीकांत नौगाई, सीपी धूलिया, बलवान सिंह रावत, संजय असवाल, विनोद सिंह, संजय रावत, नरेंद्र सिंह और आजाद सिंह सहित अन्य पूर्व सैनिक मौजूद रहे।

ग्रामीणों को 19 सालों बाद लो वोल्टेज से मिली निजात

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत ग्राम पंचायत कण्डोली के डोबलियां गांव की अरखूडी बस्ती के ग्रामीणों को लो वोल्टेज की समस्या से राहत मिल गयी है। बीते 19 सालों से डोबलियां (अरखुड़ी) गांव के 30 से अधिक परिवार लो वोल्टेज की समस्या से जुझ रहे थे। क्षेत्र पंचायत सदस्य कण्डोली मेघा बडोनी ने बताया कि अरखूडी बस्ती बीते 19 सालों से लो वोल्टेज की समस्या से जुझ रहा था। जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लो वोल्टेज के चलते बिजली रहने पर भी विद्युत उपकरण पूर्ण रूप से बंद रहते थे। रात के समय प्रत्येक घरों में लाइटे भी डिम हो जाती थी। जिससे जंगली जानवरों का खतरा बढ़ जाता था। इस मामले को लेकर कई बार विभागीय अधिकारियों को समस्या के बारे में बताया गया। लेकिन 19 साल बाद ग्रामीणों की समस्या का समाधान हुआ। ग्रामीण जगदीश लाल, शक्ति लाल, मुकेश लाल, गिरीश लाल, रामलाल, प्रकाश लाल, रामकिशोर आदि ने खुशी जताई है। इधर, यूपीसीएल के अवर अभियंता विनोद कुमार ने बताया कि डोबलियां (अरखुड़ी) गांव के लिए 25 केवी का ट्रासफार्मर लगा दिया गया है। अब गांव में किसी भी प्रकार की लो वोल्टेज की समस्या से नहीं आयेगी।

वैडिंग पॉइंट में लगी आग, मचा हड़कंप

श्रीनगर गढ़वाल : नगर निगम क्षेत्रांर्गत भक्तियाना स्थित वैडिंग पाइंट में शनिवार दोपहर आग लगने से हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक वैडिंग पॉइंट में लगे पंखे में शार्ट सर्किट के होने के चलते आग लग गई। दमकल विभाग कर्मचारियों ने आग पर काबू पाया।

फायर स्टेशन श्रीनगर के इंजार्च पवन शर्मा ने बताया कि दोपहर डेढ़ बजे के करीब उन्हें भक्तियाना स्थित सम्राट वैडिंग पॉइंट में आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने दमकल की टीम के साथ मौके पर पहुंच कर आग को बुझाने का काम किया।

युवा कांग्रेस ने फूंका केंद्र सरकार का पुतला

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : युवा कांग्रेस ने नीट पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार का पुतला फूंका।

इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार के संरक्षण में ही युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

इस मौके पर आक्रोशित युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को बर्खास्त करने और पेपर आयोजित करने वाली एजेंसी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को तत्काल भंग करने की मांग की।

शनिवार को युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने नीट पेपर लीक मामले में डीएम कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया।

इस दौरान युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष मोहित सिंह और प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस आशीष नेगी ने कहा कि जैसे ही भाजपा का तीसरा कार्यकाल शुरू हुआ वैसे ही पेपर लीक की शुरुआत हो गई है। अब तक भाजपा शासित प्रदेश उत्तराखंड में एक बड़े स्तर पर भर्ती घोटाला सामने आया था। अब केंद्र में भी यही स्थिति आ गई है। वे छात्र जो वर्षों से इसके लिए तैयारी कर रहे थे, उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया है।

उद्यान विभाग की गारंटी फेल, सेब के पेड़ पर नहीं लगे फल

जनता दरबार में अधिकारियों ने सुनी लोगों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : सरकार जनता द्वार कार्यक्रम के तहत विकासखंड कल्जीखाल के अंतर्गत ग्राम पंचायत आसूड़ के राजकीय इंटर कॉलेज कांसखेत में जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार से जल संस्थान एवं विद्युत विभाग के अधिकारी अनुपस्थित रहे। इस मौके पर लोगों ने उद्यान विभाग से खरीदे गये पौधों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उद्यान विभाग से दो वर्ष पूर्व सेब के पेड़ खरीदे थे, लेकिन दो साल बीत जाने के बावजूद भी अभी तक पेड़ों पर फल नहीं आये है।

शनिवार को नोडल अधिकारी डॉ. एसबी जोशी अपर शिक्षा निदेशक गढ़वाल मंडल की अध्यक्षता में आयोजित जनता दरबार में स्थानीय लोगों ने सड़क, पानी, शिक्षा और बिजली सहित अन्य समस्याओं को उठाया। इस दौरान लोगों ने कांसखेत बाजार में सड़कों की जल निकासी, जल जीवन के तहत हर घर नल हर घर जल कार्यक्रम के तहत कार्य की गुणवत्ता पर नाराजगी जताई। देवेश रावत ने शिक्षा व्यवस्था में सुधार करने की मांग उठाई। सामाजिक कार्यकर्ता जगमोहन डांगी ने बताया कि उद्यान विभाग की सब्सिडी के तहत हाई हाईब्रिड सेब के पेड़ खरीदे, लेकिन दो साल बाद भी अभी तक पेड़ों पर सेब नहीं आये। जबकि उद्यान विभाग के अनुसार हाईब्रिड के सेब के पौधों पर 18 माह में सेब लगने की गारंटी है। एडी ने बताया कि उक्त समस्याओं को लेकर संबंधित महकमों को अवगत कराया गया है, ताकि इसको लेकर कदम उठाएं जा सके। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी गंगा प्रसाद लखेड़ा, राजस्व निरीक्षक राजीव कुमार घिंडियाल, सहायक अभियंता मृत्युंजय शर्मा, प्रभारी प्रधानाचार्य राइका कांसखेत, क्षेत्र पंचायत सदस्य सपना रावत, पंचायत सदस्य संतोष रावत, ग्राम पंचायत अधिकारी जितेन्द्र रावत, विजय नैथानी, चित्र सिंह रावत, कानूनगो राजीव कुमार घिंडियाल आदि मौजूद रहे।

अस्पताल में बढ़े डायरिया के मरीज

डॉक्टरों ने गर्मी में एहतियात बरतने की सलाह दी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड थलीसैंण में इन दिनों लोगों में डायरिया रोग काफी फैल रहा है। उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या में वृद्धि होने से स्वास्थ्य केंद्र थलीसैंण में मरीजों की संख्या बढ़ गई है। डॉक्टरों ने बदलते मौसम में खानपान से लेकर तेज धूप और गर्मी में एहतियात बरतने की सलाह दी है।

डॉ. महिपाल मटियानी ने कहा कि हर दिन 15 से 20 मरीज डायरिया वाले अस्पताल में आ रहे हैं। बताया कि दस्त, बुखार और पेट में दर्द वाली शिकायत ज्यादा मरीजों में आ रही है। पानी स्वच्छ न होने के कारण यह समस्या आ रही है।

उन्होंने बताया कि लापरवाही नहीं बरतें। बार-बार पानी पिएं, पानी की कमी न होनें दें। बताया कि गर्मी में शरीर में विशेष तौर पर पानी की अधिक जरूरत होती है। इस दौरान हमें खास तौर पर साफ पानी पीना चाहिए।

स्वीकृति के तीन साल बाद भी नहीं बनी सड़क

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड खिर्सू के दुर्गाकोट, देवसाल के ग्रामीण लंबे समय से सड़क का इंतजार कर रहे हैं। यहां 2020-21 में श्रीनगर खंडाह-ढामकेश्वर-भेलगढ से देवसाल तक सड़क मार्ग स्वीकृत हुआ था। तीन साल बीत जाने के बाद भी सड़क न बनने से ग्रामीण परेशान हैं। दुर्गाकोट के ग्रामीण शंकर सिंह पटवाल ने कहा कि स्थानीय विधायक व काबीना मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने भेलगढ से देवसाल तक 3.5 किमी. की लिंक रोड स्वीकृत की थी, लेकिन अब तक उक्त मोटर मार्ग पर निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है। कोटी गांव निवासी गजेंद्र पंवार ने कहा कि भेलगढ़ से देवसाल तक स्वीकृत इस सड़क से कोटी-कमेड़ा, दुर्गाकोट, देवसाल गांव जुड़ने थे। देवसाल गांव के ग्रामीणों को खड़ी चढ़ाई चढ़कर ऊपर सड़क मार्ग तक पहुंचना पड़ता है। अगर कोई बीमार हो जाता है तो ऐसी स्थिति में डंडी-कंडी का सहारा लेना पड़ता है।

मोटर मार्ग की मांग को लेकर ईई को सौंपा ज्ञापन

श्रीनगर गढ़वाल : विकासखंड कीर्तिनगर के अंतर्गत काकड़पानी से बांगपानी से होते हुए लूसी तक मोटरमार्ग का निर्माण कार्य अधर में लटका हुआ है। मोटर मार्ग का कार्य शुरू न होने पर आक्रोशित लूसी के ग्रामीणों ने शनिवार को लोक निर्माण विभाग कीर्तिनगर ईई को मिलने पहुंचे। इस दौरान ग्रामीणों ने कहा कि सड़क की स्वीकृति के चार साल बाद भी निर्माण कार्य शुरू भी नही हो पाया है। मोटर मार्ग के निर्माण कार्य शुरू करवाये जाने की मांग को लेकर लोनिवि के अधिशासी अभियंता को ज्ञापन दिया। इस मौके पर ग्राम प्रधान पैंडुला सुनय कुकशाल, सुशीला देवी, लक्ष्मी देवी, कमली देवी, रजनी देवी ने कहा कि मोटर मार्ग को लेकर लगातार विभागीय अधिकारियों से पत्राचार किया जा रहा है, बावजूद भी अधिकारी ग्रामीणों को आश्वासन पे आश्वासन दे रहें है। ग्रामीणों ने चेतावनी देते हुए कहा कि जल्द से मोटर मार्ग पर निर्माण कार्य शुरू नही होता है तो वह धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे सैन्य अभिलेखों/पेंशन प्रपत्रों में मेरी पत्नी श्रीमती बीरा देवी की जन्मतिथि 04-12-1967 अंकित है, जो कि गलत है, जबकि मेरी पत्नी श्रीमती बीरा देवी की सही व वास्तविक जन्मतिथि 09-07-1965 है। जो कि जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पेन कार्ड सहित अन्य दस्तावेजों में अंकित है। अतः मेरे मेरे सैन्य अभिलेखों/पेंशन प्रपत्रों में मेरी पत्नी श्रीमती बीरा देवी की सही व वास्तविक जन्मतिथि 09-07-1965 लिखी/पढ़ी जाय।

आर्मी नंबर –JC-529639A Vet Sub मनवर सिंह पुत्र रतन सिंह निवासी ग्राम मैखोली, पोस्ट मासौ, पट्टी चौथान, तहसील थलीसैंण, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0229/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम भूलवश नैतिक, मेरे पति का नाम सतेन्द्र एवं मेरा नाम सीमा अंकित हो गया है, जो कि गलत है। जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम युवराज गुसांई, मेरे पति का नाम सतेन्द्र सिंह एवं मेरा नाम सीमा देवी है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका सही व वास्तविक नाम युवराज गुसांई, मेरे पति का नाम सतेन्द्र सिंह एवं मेरा नाम सीमा देवी अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

सीमा देवी पत्नी सतेन्द्र सिंह निवासी झण्डीचौड़, पश्चिमी, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
(0228/21)

एक नजर

डीडीआईईयू ने 16वें अधिवेशन में रोजगार के संकट पर जताई चिंता

देहरादून। भारतीय जीवन बीमा निगम के कर्मचारी संगठन डीडीआईईयू ने 16वें अधिवेशन में रोजगार के संकट पर चिंता जताई। धर्मपुर स्थित एलआईसी के मंडल कार्यालय में शनिवार को हुए अधिवेशन में सार्वजिनक क्षेत्र की संस्थाओं के सामने भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की गई। अधिवेशन में क्षेत्रीय कार्यालय कानपुर से पहुंचे एनसीजेडआईईएफ के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थओं के सामने काफी चुनौतियां हैं। यह चुनौतियां कम होने के बजाए बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने सार्वजनिक उपक्रमों को बेचने के प्रयासों पर भी चिंता जताई। कर्मचारी नेता और एनसीजेडआईईएफ के महासचिव राजीव निगम ने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं में भर्तियां लगभग बंद हो गई हैं। पहले इन संस्थाओं में ग्रामीण भारत की अनेक प्रतिभाओं को रोजगार मिलता था। लेकिन भर्तियां बंद होने से भविष्य में रोजगार का संकट बढ़ेगा। एलआईसी के मंडल प्रबंधक आलोक गुप्ता ने कहा कि जीवन बीमा व्यवसाय के क्षेत्र में एलआईसी सर्वोच्च संस्था है और भविष्य के अपने लक्ष्यों को पूरे करने के लिए प्रतिबद्ध है। संगठन के अध्यक्ष प्रमोद गोयल और महासचिव नंदलाल शर्मा ने विभिन्न शाखाओं से आए पदाधिकारियों का स्वागत किया। इस मौके पर योगेश्वर पुरोहित, सतीश शाह, तन्मय ममगाई, संजय उनियाल, श्यामलाल, सुबोध पुरोहित, एके राठौर, मीनाक्षी गोयल, अंजू कोहली, गीता जोशी, आकांक्षा सिंह, सोनाली रानी, कृष्ण टिक्कू, ईशा लांबा समेत अन्य मौजूद रहे।

श्रुति फाउंडेशन की तबला कार्यशाला मोहितनगर में

देहरादून। श्रुति फाउंडेशन द्वारा छः दिवसीय तबला कार्यशाला ह्लसाधना शिविर ह्लका आयोजन 23 से 28 जून तक आशा होम स्टे मोहितनगर में किया जा रहा है। जिसमें प्रख्यात तबला गुरु एवं कलाकार पं. मिथिलेश कुमार झा के सानिध्य में गुरु शिष्य पद्धति के अनुसार, तबले एवं ताल की बारीकियां, ताल का उपयोग विभिन्न विधाओं के साथ उसका अनुबंध इत्यादि विषयों पर चर्चा करेंगे। कार्यशाला कई सत्रों में आयोजित होगी। इस कार्यशाला एवं चर्चा में विभिन्न प्रदेशों से आये तबले के विद्यार्थी प्रतिभाग करेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा संगीत विधा के छात्रों एवं शोधार्थियों को आपस में जोड़ना एवं उसका प्रचार करना है। कार्यशाला के समन्वयक पं. मिथलेश झा के शिष्य हिमांशु मिश्रा ने बताया कि ऐसी कार्यशाला प्रतिवर्ष होंगी। कार्यशाला का समापन 28 जून को विद्यार्थियों के प्रदर्शन से होगा।

सुद्धोवाला के जंगल में पुलिस ने रात चलाया सर्च ऑपरेशन

देहरादून। सुद्धोवाला के जंगल में शुक्रवार रात पुलिस ने सर्च ऑपरेशन चलाया। एसएसपी के निर्देश पर यहां मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इसमें विभिन्न थानों की टीमों ने हिस्सा लिया। एसएसपी ने बताया कि आकस्मिक परिस्थितियों में पुलिस की तैयारियों को परखने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। मॉक ड्रिल में पहले पुलिस की नाकेबंदी का अभ्यास भी किया गया। सभी थाना प्रभारी घटना की सूचना पर अपने-अपने थाना क्षेत्रों में नाकेबंदी करते हुए घटना स्थल सुद्धोवाला पहुंचे। यहां लांग रेंज, शार्ट रेंज अस्त्राहों, ड्रैगन लाइट के साथ सुद्धोवाला के जंगलों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान वरिष्ठ अधिकारियों ने विषम परिस्थितयों में सदैव तैयार रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर वक्त पुलिस बुलेट प्रूफ जैकेट, ड्रैगन लाइट, लांग, शार्ट रेंज अस्लहे अपने साथ रखे।

पुलिस ने 132 मकान मालिकों से 13.20 लाख जुर्माना वसूला

देहरादून। पुलिस ने शनिवार को विभिन्न थाना क्षेत्रों में किराएदारों के सत्यापन के लिए अभियान चलाया। इसमें किराएदार का सत्यापन नहीं मिलने पर 132 मकान मालिकों का पुलिस एक्ट में चालान किया गया। उनसे 13.20 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया। इस दौरान 124 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की गई एसएसपी अजय सिंह ने बताया कि कोतवाली पटेलनगर, डालनवाला और क्लेमेंनटाउन में सुबह अभियान चलाया गया था। पटेलनगर में लोहियानगर, ब्रह्मपुरी, ब्राह्मणवाला, डालनवाला में करनपुर, डीएल रोड, अम्बेडकर नगर, आर्यनगर, सीमेंट रोड पर अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान किरायेदारों का सत्यापन न कराने वाले 102 मकान मालिकों के 83 पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत चालान किए गए। यहां 10,20,000 रुपये जुर्माना लिया गया।

बद्रीनाथ विस उपचुनाव : ईवीएम मशीनों का किया पहला रेन्डामाइजेशन

जयन्त प्रतिनिधि।

चमोली : बद्रीनाथ विधानसभा उपचुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक अनीता रामचन्द्रन, जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में ईवीएम का पहला रेंडमाइजेशन किया गया। जिसमें 172 प्रतिशत ईवीएम मशीनों को बद्रीनाथ विधानसभा उप चुनाव के लिए आवंटन किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि निष्पक्ष चुनाव करने के लिए हर स्तर पर निर्धारित नियमों और प्रक्रिया का पूरा अनुपालन करते हुए पारदर्शिता बरते जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों को रेंडमाइजेशन प्रक्रिया की पूरी जानकारी

दी। इसके बाद सबके सम्मुख ईवीएम मशीनों का रेंडमाइजेशन किया गया। पहले चरण में मशीनों की बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट व वीवीपैट का सॉफ्टवेयर रेंडमाइजेशन के जरिए विधानसभा क्षेत्र के लिए आवंटन किया गया। दूसरे चरण में रेंडमाइजेशन के जरिए ही ईवीएम मशीनों को बूथ वार आवंटन किया जाएगा। पहले रेंडमाइजेशन में बद्रीनाथ विधानसभा उप चुनाव के लिए 361 सीयू, 361 बीयू और 371 वीवीपैट का आवंटन किया गया। इन मशीनों में रिजर्व व्यवस्था के लिए आवंटित मशीनें भी शामिल है। रेंडमाइजेशन के दौरान अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी विवेक प्रकाश, रिटर्निंग ऑफिसर राजकुमार पांडेय, ईवीएम के नोडल अधिकारी सूरज भान सिंह, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी हेमंत मौर्य, सीपीआई सदस्य जिला कमेटी, ज्ञानेन्द्र खंतवाल, बीजेपी किसान मोर्चा गोविन्द सिंह बजवाल, आप पार्टी के अनूप सिंह रावत, आईएनसी के मदन लोहनी उपस्थित थे।

दिनेश सेमवाल बनें सहकारिता समिति के अध्यक्ष

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना के जिला परियोजना प्रबंधक बीके भट्ट ने बताया कि एकीकृत आजीविका सहयोग परियोजना के अंतर्गत गठित भीमसेन आजीविका स्वायत्त सहकारिता, भीरी अगस्त्यमुनि की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर व्यवसायों का लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया।

सहकारिता कार्यालय भीरी में बैठक आयोजित की गई, जिसमें वार्षिक आम सभा बैठक में सहकारिता के द्वारा किए गए व्यवसायों का लेखा-जोखा सचिव भीमसेन ने प्रस्तुत किया। इसके पश्चात् पुरानी कार्यकारिणी भंग करते हुए नई

कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें सभी की सहमति से पूर्व अध्यक्ष दिनेश प्रसाद सेमवाल को पुनः भीमसेन स्वायत्त सहकारिता का अध्यक्ष चुना गया। इस अवसर पर ग्रामीण उद्यम वेग वृद्धि परियोजना की जिला इकाई के सहायक प्रबंधक शशिकांत यादव, नवीन चंद्र पांडेय, पंकज डोभाल सहित खंड विकास कार्यालय से प्रतीक्षा बिष्ट, प्रदीप नेगी एवं सरस्वती आदि मौजूद रहे।

नीट परीक्षा मामले में दोषियों पर हो कड़ी कार्रवाई

देहरादून। युवा कांग्रेस ने शनिवार को नीट परीक्षा मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग को लेकर डीएम कार्यालय के माध्यम से राज्यपाल को ज्ञापन भेजा। युवा कांग्रेसियों ने जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर नारेबाजी भी की। कहा कि युवाओं का भविष्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ाया जा रहा है। महानगर युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष मोहित मेहता मोनी की अगुवाई में बड़ी संख्या में डीएम कार्यालय पहुंचे कार्यकर्ताओं ने नीट को लेकर सवाल उठाए। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव और प्रदेश प्रभारी शिवी चौहान ने कहा कि हर स्तर पर परीक्षाओं में गड़बड़ी हो रही है। एनटीए जैसी संस्था से युवाओं का भरोसा उठ गया है। परीक्षा में अव्वल अंक लाने के बावजूद आज उन्हें प्रवेश नहीं मिल रहा है। वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष विनीत प्रसाद भट्ट बंटू ने कहा कि आए दिन पेपर लीक की घटनाओं से बेरोजगार युवा खुद को ठगा महसूस कर रहा है। कार्यकारी महानगर अध्यक्ष मोहित मेहता मोनी ने कहा कि परीक्षा करवाने एजेंसियों पर माफिया हावी हो चुका है। युवा कांग्रेस ने नीट-2024 में शामिल हुए सभी परीक्षार्थियों को जिला प्रशासन के माध्यम से अपडेट उपलब्ध कराने, इन परीक्षार्थियों की निशुल्क काउंसलिंग शुरू करने और पुनः परीक्षा की स्थिति में शुल्क पूरी तरह से माफ करने की मांग की है। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, रितेश क्षेत्री, रोबिन त्यागी, पीयूष जोशी, अमित भण्डारी, अरविन्द शर्मा, प्रदीप बिष्ट, देवेश उनियाल, अमनदीप बत्रा, मोहम्मद वसीम, कार्तिक बिडला, शुभम चैहान, अंकित थापा, अभिषेक मेहता, शहजाद अंसारी, आदित्य बिष्ट, सचिन बिष्ट, गौरव, मंयक रावत, करन नेगी समेत अन्य शामिल हुए।

स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के चलते एनआरसी बंद

हरिद्वार। मेला अस्पताल परिसर में पोषण पुनर्वास केंद्र फिर से स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के चलते बंद कर दिया गया है। केंद्र के प्रभारी बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. शशिकांत ने बताया कि केंद्र को चलाने के लिए स्वास्थ्य कर्मियो की कमी है। मेला अस्पताल परिसर में बने पोषण पुनर्वास केंद्र(एनआरसी) में अति कुपोषित बच्चों को भर्ती कर उनका उपचार किया जाता है लेकिन मेला अस्पताल परिसर में बने एनआरसी में स्वास्थ्य कर्मियों की कमी खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। पोषण पुनर्वास केंद्र के प्रभारी डॉ. शशिकांत ने बताया कि केंद्र में भर्ती अति कुपोषित की देखभाल के लिए स्टॉफ नर्स पर्याप्त मात्रा में नहीं है। जबकि एनआरसी में बने शौचालय भी आय दिन सीवर के चॉक होने के कारण शौचालय में गंदगी रहती है। यह गंदगी भी कुपोषित बच्चों के लिए घातक साबित हो सकती है।

पीठासीन और प्रथम मतदान अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण

विस उपचुनाव के लिए रिजर्व सहित 576 अधिकारियों की तैनाती

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : बद्रीनाथ विधानसभा उपचुनाव को शांतिपूर्वक संपन्न कराने को लेकर शनिवार को सामान्य प्रेक्षक अनीता रामचन्द्रन एवं जिला निर्वाचन अधिकारी हिमांशु खुराना की अध्यक्षता में पीठासीन अधिकारियों और प्रथम मतदान अधिकारियों को पीजी कॉलेज गोपेश्वर में प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें मतदान का सामान्य प्रशिक्षण और ईवीएम व वीवीपैट का व्यावहारिक प्रशिक्षण शामिल है। बद्रीनाथ विधानसभा की 210 मतदेय स्थलों के लिए रिजर्व सहित 288 पीठासीन एवं 288 प्रथम मतदान अधिकारियों की तैनाती की गई है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान कार्मिकों को निर्देशित किया कि निर्वाचन के सभी पहलुओं से संबंधित प्रशिक्षण को गंभीरता से पूरा करें। आयोग के दिशा

निर्देशों का भलीभांति अध्ययन करते हुए प्रशिक्षण के दौरान अपनी सभी शंका और संशय का समाधान करें। उन्होंने बताया कि मतदान के दिन वास्तविक मतदान से 90 मिनट पहले मॉक पोल करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी मतदान कार्मिक अपने सेक्टर ऑफिसर के संपर्क में रहे और कोई भी संशय होने पर तत्काल अपने सेक्टर अधिकारी को इसकी जानकारी दे और इसका समाधान करें। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर एपी डिमरी, मनोज तिवारी, जयदीप झिंक्वाण, दिगपाल रावत, खीम सिंह कंडारी, जयवीर रावत, अनिल नौटियाल ने पीठासीन एवं प्रथम मतदान अधिकारियों को मतदान का सामान्य प्रशिक्षण के साथ ही ईवीएम मशीन की तकनीकी, प्रयोग तथा ईवीएम मशीन हैंडलिंग की व्यावहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षण में ईवीएम मशीन की बैलेटिंग यूनिट तथा कन्ट्रोल यूनिट को जोड़ने व अलग करने तथा मतदान के दौरान मशीन का संचालन व सावधानियों की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह, सहायक नोडल कार्मिक कुलदीप गैरोला, सहायक नोडल ट्रेनिंग आनन्द सिंह आदि सहित समस्त पीठासीन एवं प्रथम मतदान अधिकारी उपस्थित थे।

गायत्री परिवार व निहंग समाज का यह मिलन एक आध्यात्मिक संगम है : राज्यपाल

हरिद्वार। देव संस्कृति विश्वविद्यालय में शनिवार को सिख समाज एवं सनातन संस्कृति का विशिष्ट समागम हुआ। वहीं शांतिकुंज पहुंचे श्रद्धास्पद निहंग समाज के प्रतिनिधियों ने अखिल विश्व गायत्री परिवार प्रमुख श्रद्धेया शैलदीदी से आत्मीय भेंट किया। निहंग समाज के प्रतिनिधियों ने शांतिकुंज में पाँच कुण्डीय यज्ञ किया और शांतिकुंज से हरिपुर कलॉ होते हुए देव संस्कृति विश्वविद्यालय के लिए झूमते-गाते हुए भव्य रैली निकाली।

समागम का शुभारंभ राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि), प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या एवं फकीर सिंह खालसा के आठवें वंशज निहंग समाज के प्रतिनिधि बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने किया।

समागम के अध्यक्षीय उद्बोधन में राज्यपाल ने कहा कि गायत्री परिवार व निहंग समाज का यह मिलन एक आध्यात्मिक संगम है। यह नई पीढ़ी में

साहस, शौर्य और पराक्रम जगाने का समागम है। यह समागम देश, राष्ट्र के लिए एक मिसाल बनेगा और राष्ट्र निर्माण की एक नई धारा बहेगी। राज्यपाल ने कहा कि मानवता और भाईचारे के लिए भगवान शिव और गुरु गोबिंद सिंह जी ने जो संदेश दिया, वह एक समान है। उन्होंने कहा कि आज यहाँ दो भाइयों का मिलन हुआ। यह मिलन समाज निर्माण के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा।

डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि सद्गुरु की कृपा से जन्म जन्मांतरों का कुकर्म का नाश होता है। भारत को अक्षुण्य बनाये रखने में सिख सम्प्रदाय का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि यह समय सावधान होने का है। कबीर, गुरु गोबिंद सिंह, पं0 श्रीराम शर्मा आचार्य, स्वामी विवेकानंद आदि जैसे गुरुओं ने इंसान को इंसान बनाने के लिए ज्ञान की गंगा बहायी है। प्रतिकुलपति ने कहा कि सिक्ख और सनातन का मिलन साहस, शौर्य, पराक्रम और पवित्रता, प्रखरता, संवेदना का मिलन है। फकीर सिंह खालसा के आठवें वंशज निहंग समाज के प्रतिनिधि बाबा हरजीत सिंह रसूलपुर ने कहा कि आज जो संबंध स्थापित हुए हैं, यह हम दोनों के लिए महत्त्वपूर्ण है। सिक्ख और सनातन के संबंध अटूट है, जो आपसी भाईचारा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार का सहजता, पवित्रता और अनुशासन नये युग के आगमन का शुभ संकेत है।

इससे पहले राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने देश की सुरक्षा में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों की याद में बने शौर्य दीवार में पुष्पांजलि अर्पित की और सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। समापन से पूर्व राज्यपाल ने प्रज्ञा गीतों का (कुमाऊंनी), ई न्यूज लेटर रिनांसा, धन्वंतरी पत्रिका, संस्कृति संचार आदि का विमोचन किया। देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने राज्यपाल को स्मृति चिह्न आदि भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर अयोध्या राम मंदिर लंगर वाले के प्रमुख जत्थेदार और निहंग समाज के प्रतिनिधियों, देव संस्कृति विवि और विभिन्न राज्यों से आये गायत्री साधक उपस्थित रहें।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र 65 साल होगी

देहरादून। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत विशेषज्ञ डॉक्टर अब 65 साल की उम्र तक नौकरी कर सकेंगे। राज्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए कैबिनेट ने डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 65 करने को मंजूरी दे दी है।

हालांकि 65 साल में रिटायरमेंट की व्यवस्था वैकल्पिक होगी। मरीजों का इलाज करने की शर्त का पालन करने वाले डॉक्टरों को ही इसकी सुविधा दी जाएगी। 60 साल से अधिक उम्र के विशेषज्ञ डॉक्टर प्रशासनिक पदों पर भी तैनात नहीं हो पाएंगे। विदित है कि राज्य के अस्पतालों में लंबे समय से विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी बनी हुई है। लगातार नए डॉक्टरों के आने के बावजूद अभी तक इस समस्या का पूरी तरह समाधान नहीं हो पाया है। ऐसे में अब कैबिनेट ने विशेषज्ञ डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र 60 साल से बढ़ाकर 65 करने को मंजूरी दी है। इससे राज्य के अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी को कुछ हद तक दूर किया जा सकेगा और मरीजों को इलाज की सुविधा मिलेगी। सचिव स्वास्थ्य डॉ आर राजेश कुमार ने बताया कि राज्य में वर्तमान में 597 विशेषज्ञ डॉक्टर कार्यरत हैं और इनमें से मरीजों का इलाज करने के इच्छुक डॉक्टरों को ही 65 साल तक सेवा का अवसर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञ डॉक्टरों के लिए रिटायरमेंट 65 साल में लेना अनिवार्य नहीं होगा। विदित है कि राज्य के चिकित्सा शिक्षा विभाग में फैकल्टी की रिटायरमेंट की उम्र पहले से ही 65 साल है और अब कैबिनेट ने स्वास्थ्य विभाग के लिए भी यह व्यवस्था बनाने की मंजूरी दे दी है। सरकारी अस्पतालों में कार्यरत विशेषज्ञ डॉक्टर अब 65 साल की उम्र तक नौकरी कर सकेंगे। राज्य में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी को दूर करने के लिए कैबिनेट ने डॉक्टरों की रिटायरमेंट उम्र 60 से बढ़ाकर 65 करने को मंजूरी दे दी है।

हालांकि 65 साल में रिटायरमेंट की व्यवस्था वैकल्पिक होगी। मरीजों का इलाज करने की शर्त का पालन करने वाले डॉक्टरों को ही इसकी सुविधा दी जाएगी। 60 साल से अधिक उम्र के विशेषज्ञ डॉक्टर प्रशासनिक पदों पर भी तैनात नहीं हो पाएंगे।

एनटीए के खिलाफ छात्रों ने किया प्रदर्शन

देहरादून। विभिन्न छात्र संगठनों ने शनिवार को हिमालयन स्टूडेंट फेडरेशन के नेतृत्व में डीएवी कॉलेज गेट पर एनटीए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मंत्री के इस्तीफे और एजेंसी को खत्म करने की मांग की। साथ ही नीट व नेट परीक्षा की सीबीआई जांच के लिए भी आवाज उठायी.फेडरेशन से जुड़े छात्रों ने आरोप लगाया कि लाखों रुपये में प्रश्न पत्र बेचे गए और परीक्षा से पूर्व इंटरनेट पर प्रश्नपत्र बांटा जा चुका था । इसके बावजूद एनटीए ने इस पर कोई कठोर कार्रवाई नहीं की और परीक्षाएं आयोजित करा दी। ऐसे में लाखों अभ्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया ।

श्रद्धा पूर्वक मनाया गुरु हरगोबिंद साहिब का 429वां पावन प्रकाश पर्व

देहरादून। सिख सेवक जत्थे की 63 वी वर्षगांठ के उपलक्ष में मीरी पीरी के मालिक छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा एवं उत्साह पूर्वक कथा - कीर्तन के रूप में गुरद्वारा श्री गुरु सिंह सभा आढ़त बाजार में मनाया गया। कार्यक्रम में नितनेम के पश्चात नरेंद्र सिंह ने आसा की वार का शब्द गायन किया। श्री अखण्ड पाठ साहिब के भोग के पश्चात बेबे नानकी सेवक जत्थे व हजुरी रागी भाई गुरदयाल सिंह ने शब्द गायन किया। हेड ग्रंथी ज्ञानी शमशेर सिंह ने कहा कि गुरु हरगोबिंद साहिब का जीवन एक बड़े योद्धा के रूप में व परोपकारी वाला रहा है। मीरी-पीरी की दो तलवारें लेकर गुरु जी ने धर्म और राजनीति का सुमेल किया। कार्यक्रम में विशेष रूप से पावंटा साहिब से आऐ रागी भाई अमनप्रीत सिंह ने शब्द ह्लपंज प्याले पंज पीर छटम पीर बैठा गुर भारी..ह्ल का गायन किया। गुरद्वारा श्री गुरु सिंह सभा के प्रधान गुरबक्श सिंह राजन को सम्मान चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। महासचिव गुलज़ार सिंह ने संगत को प्रकाश पर्व की बधाई दी। पूर्व महासचिव स्वर्गीय सेवा सिंह मठारू के परिवार को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। गुरू महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे विशाल गुप्ता को समर्पित चिन्ह व शॉल देकर सम्मानित किया। सतिंदर सिंह, बाबा परिवार, गुरप्रीत सिंह छाबड़ा, बेबे नानकी जत्था को उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया। संचालन करते हुए दविंदर सिंह भसीन, सतनाम सिंह ने संगतों को आने वाली 30 जून को विशेष कथा-कीर्तन दरबार में हाजरीं भरने की विनती की ' सब के भले की अरदास हेड ग्रंथी शमशेर सिंह ने की। कार्यक्रम के पश्चात संगत ने गुरु का लंगर प्रसाद छका। इस अवसर पर गुरदीप सिंह टोनी, आरएस राणा, गुरप्रीत सिंह जौली, अमरजीत सिंह छाबड़ा, अरविन्द सिंह, गुरदियाल सिंह, हरजीत सिंह नत्था, हरभजन सिंह, दिलबाग सिंह, जगमोहन सिंह, अरविन्द सिंह, सुरेंद्र सिंह, अजीत सिंह मौजूद रहे।

व्यय प्रेक्षक अनूप कुमार शर्मा ने किया मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति का निरीक्षण

हरिद्वार। व्यय प्रेक्षक अनूप कुमार शर्मा ने शुक्रवार को देर सांय एमसीएमसी (मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति) का निरीक्षण किया।

उन्होंने एमसीएमसी के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिए कि इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकी एवम तकनीकि के दौर में सूचनाओं के आदान प्रदान में सोशल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इसलिए सोशल मीडिया के विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म यथा फेसबुक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम, यू ट्यूब आदि माध्यमों पर भी पैनी नजर रखते हुए निगरानी की जाए।

उन्होंने यूट्यूब तथा फेसबुक पर विशेष निगरानी करने तथा जनपद के प्रमुख फेसबुक पेज के साथ ही जनप्रतिनिधियों व उनके प्रमुख सहयोगियों के पेज फॉलो करने के निर्देश दिए। उन्होंने एमसीएमसी में सोशल

मीडिया की गहनता से मॉनिटरिंग हेतु एक अतिरिक्त कंप्यूटर और स्थापित करने के निर्देश दिए। किसी प्लेटफार्म पर फेक न्यूज सामने आने पर तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करते हुए नियमानुसार मुकदमा भी दर्ज कराया जाए। उन्होंने पुलिस सोशल मीडिया सेल के साथ समन्वय बनाए रखने, पैड न्यूज संज्ञान में आने पर व्यय प्रेक्षक को भी पैड न्यूज के संबंध में तत्काल अवगत कराने के निर्देश दिए।

सीझविजिल रूम के निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल संबंधित क्षेत्र की टीमों को मौके पर पहुंचकर कार्यवाही कराने के निर्देश दिए।

जैन समाज के मुनि विकसंत सागर महाराज बद्रीनाथ की पदयात्रा के बाद पहुंचे दून

देहरादून। आचार्य विराग सागर महाराज के शिष्य जैन मुनि उपाध्याय विकसंत सागर महाराज बद्रीनाथ से पदयात्रा करते हुए दून पहुंचे। उनके साथ साथ संघस्थ अन्य साधुगण का भी मंगल आगमन दून में होने पर जैन भवन में श्रद्धालुओं ने पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती के साथ स्वागत करते हुए श्रीफल अर्पित किया।गांधी रोड स्थित जैन भवन में पूज्य श्री ने अपने मंगल उद्बोधन में कहा कि सभी को अपने कर्तव्य का निर्वाह करना चाहिए। अपने आचार विचारों का ध्यान रखना चाहिए। भाग्यशाली होते हैं वे जिन्हें संतों का संग मिलता है। क्योंकि संत ईश्वर का सगुण रूप होते हैं। इसीलिए संतों के साथ सत्संग ईश्वर के साथ सत्संग के समान है। संत ज्ञान के सागर समान है, इसलिए यदि हम उनके पास सीखने की वृत्ति से जाते हैं तब हमें अवश्य लाभ होगा। अनेक कार्यों में से संत का एक विशेष कार्य है लोगों को उनके खरे दिव्य स्वरूप अथवा आनंद को अनुभव करने हेतु मार्गदर्शन करना। संतों में विद्यमान ईश्वरीय तत्व अथवा दैवीय तत्व अत्यंत सूक्ष्म होने के कारण अधिकांश साधक इसे समझ नहीं पाते। क्योंकि संत को पहचानने के लिए आवश्यक सूक्ष्म को समझने की क्षमता साधक में नहीं होती। इस अवसर पर गिरनार गौरव पीठाधीश समर्पण सागर महाराज ने सभा का संचालन किया और मंगल मय अगवानी की।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
-सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382-222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com